ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ

ರಾಜ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ಸಂಶೋಧನಾ ನಿರ್ದೇಶನಾಲಯ, ಬೆಂಗಳೂರು

ಹಾಗೂ

ಜಿಲ್ಲಾ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ತರಬೇತಿ ಸಂಸ್ಥೆ, ಯಾದಗಿರಿ

तृतीय भाषा हिंदी

'' लक्ष्य ''

' अनुत्तीर्ण रहित परिणाम के लिए '

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ ಹಿಂದಿ ವಿಷಯದ ಸಮಗ್ರ ಅಭ್ಯಾಸ ಮತ್ತು ಸ್ವಯಂ ಮೌಲ್ಯಮಾಪನ ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರ ಮಾಲಿಕೆ

** ಸಾಹಿತ್ಯ ರಚನಾ ತಂಡ **

ಶ್ರೀ ರವಿ ಎಂ.ಸಿ ಸ.ಶಿ
ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢ ಶಾಲೆ, ಅನಪೂರು
ತಾ|| ಜಿ || ಯಾದಗಿರಿ
ಮೊ. ಸಂ. 9900974732

ಶ್ರೀ ಗೋರಖನಾಥ ಪತಂಗೆ ಸ.ಶಿ
ಸರ್ಕಾರಿ ಪದವಿಪೂರ್ವ ಕಾಲೇಜು
(ಪ್ರೌಢ ವಿಭಾಗ) ತಾ|| ಶಹಾಪೂರ
ಮೊ. ಸಂ. 9739894815

ಶ್ರೀಮತಿ ಸರಸ್ವತಿ ಸುರೇಶ ಸ.ಶಿ
ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢ ಶಾಲೆ, ಲಕ್ಷ್ಮೀಪುರ
ತಾ|| ಸುರಪುರ ಜಿ|| ರಾದಗಿರಿ
ಮೊ. ಸಂ. 9845467740

ಹಾಗೂ ಯಾದಗಿರಿ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು

ಮುನ್ನುಡಿ

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ ಫಲಿತಾಂಶ ಸುಧಾರಣೆಗಾಗಿ ರಾಜ್ಯ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ಸಂಶೋಧನಾ ನಿರ್ದೇಶನಾಲಯ, ಬೆಂಗಳೂರು ಇವರ ನಿರ್ದೇಶನದಂತೆ ತಯಾರಿಸಲಾದ ಸಮಗ್ರ ಅಭ್ಯಾಸ ಮತ್ತು ಸ್ವಯಂ ಮೌಲ್ಯಮಾಪನ ಸಾಮಗ್ರಿ ರಚನೆಯು ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ ಯಲ್ಲಿ ವ್ಯಾಸಂಗ ಮಾಡುತ್ತಿರುವ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ಉತ್ತೀರ್ಣರಾಗಲು ಅವಶ್ಯಕವಾದ ಅಂಕಗಳನ್ನು ಪಡೆಯಲು ಅನುವಾಗುವಂತೆ ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ ಹಿಂದಿ ವಿಷಯಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ "ಲಕ್ಷ್ಯ" 'अनुत्तीर्ण रहित परिणाम केलिए' ಎಂಬ ಶೀರ್ಷಿಕೆಯಡಿ ಇ-ಪ್ರಶ್ನೋತ್ತರ ಕೋಶವನ್ನು ಯಾದಗಿರಿ ಜಿಲ್ಲೆಯ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರು ಜಿಲ್ಲಾ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ತರಬೇತಿ ಸಂಸ್ಥೆ ಯಾದಗಿರಿ ಇವರ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನದಲ್ಲಿ ತಯಾರಿಸಿದ್ದು ಇದು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳನ್ನು ಪಡೆಯಲು ತುಂಬಾ ಅನುಕೂಲಕರವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಇದರ ಸದುಪಯೋಗವನ್ನು ಎಲ್ಲಾ ಶಾಲೆಗಳು ಪಡೆದುಕೊಂಡು ಫಲಿತಾಂಶವನ್ನು ಉತ್ತಮಪಡಿಸಲು ಪ್ರಯತ್ನಶೀಲರಾಗಲು ಈ ಮೂಲಕ ಸಮಸ್ತ ಹಿಂದಿ ಭಾಷಾ ಶಿಕ್ಷಕರಿಗೆ ಹಾಗೂ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಹಾರೈಸುತ್ತೇನೆ.

ಈ ಸಮಗ್ರ ಅಭ್ಯಾಸ ಮತ್ತು ಸ್ವಯಂ ಮೌಲ್ಯಮಾಪನ ಸಾಮಗ್ರಿ ತಯಾರಿಗೆ ಶ್ರಮಿಸಿರುವ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ಶಿಕ್ಷಕರಿಗೆ, ಮಾರ್ಗದರ್ಶಕರಿಗೆ ಅಭಿನಂದಿಸುತ್ತೇನೆ.

(ಶ್ರೀಮತಿ ಶೀಬಾ ಜಿಲಿಯಾನ)
ಪ್ರಭಾರಿ ಪ್ರಾಂಶುಪಾಲರು
ಜಿಲ್ಲಾ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ತರಬೇತಿ ಸಂಸ್ಥೆ
ಯಾದಗಿರಿ

1. मातृभूमी (कविता)

– भगवतीचरण वर्मा

* एक अंकवाले प्रश्नोत्तर *

1. कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं ?

उत्तर : मातृभूमी को प्रणाम कर रहे हैं |

2. भारत माँ के हाथो में क्या है ?

उत्तर : एक हाथ में न्याय पताका और एक हाथ में ज्ञान दीप है |

3. आज माँ के साथ कौन है ?

उत्तर : कोटी कोटी लोग है |

4. सभी ओर क्या गूंज उठा है ?

उत्तर : जय हिंद का नाद गूंज उठा है |

5. भारत के खेत कैसे हैं ?

उत्तर : हरे – भरे हैं |

6. भारत भूमी के अंदर क्या – क्या भरा हुआ है ?

उत्तर : विविध रूप के खनिज भरा हुआ है |

7. सुख – संपत्ति, धन – धाम को कैसे बाँट रही है ?

उत्तर : मुक्त हस्त से बाँट रही है |

8. जय हिंद का नाद कहां कहां पर गूंजना चाहिए ?

उत्तर : सकल नगर और ग्रामों में गूंजना चाहिए

* दो – तीन अंकोंवाले प्रश्नोत्तर *

1. मातृभूमी के प्रकृति सौंदर्य कैसा है ?

उत्तर : हरे – भरे खेत सुंदर से सुशोभित है | वन – उपवन फल – फूलों से भरा हुआ है | धरती के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है |

2. कविता में भारत माँ के स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर : मातृभूमी के कविता में भारत माँ के हाथों में न्याय पताका और ज्ञान दीप है | इन दोनों से माँ जग के रूप को बदल रहे है और इस कार्य के लिए हम सभी माँ के साथ हैं | जय हिंद का नाद सकल नगर और ग्रामों में गूंजना चाहिए |

3. पद्य भाग कंठस्थ |

हरे – भरे है खेत सुहाने,
फल – फूलों से युत वन – उपवन,
तेरे अंदर भरा हुआ है,
खनिजों का कितना व्यापक धन |
मुक्त हस्त तू बाँट रही है,
सुख – संपत्ति, धन – धाम,
मातृ – भू, शत – शत बार प्रणाम |

*अनुरूपता *

1) वसीयत : नाटक : : चित्रलेखा : _________ उ: उपन्यास
2) शत–शत : द्विरुक्ति : : हरे–भरे : _________ उ: युग्म
3) बायें हाथ में : न्याय पताका : : दहिने हाथ में : _________ उ: ज्ञान दीप
4) हस्त : हाथ : : पताका : _________ उ: ध्वज या झंडा

* जोडकर लिखना*

1) तेरे उर में शायित	–	अ. वन–उपवन
2) फल–फूलों से युत	–	आ. आज साथ में
3) एक हाथ में	–	इ. कितना व्यापक
4) कोटि–कोटि हम	–	ई. शत–शत बार प्रणाम
5) मातृ– भू	–	उ. न्याय पताका
	–	ऊ. गांधी, बुध्द और राम

उत्तर: 1–ऊ, 2–अ, 3–उ, 4–आ, 5–ई

****

2. कश्मीरी सेब (कहानी)

– प्रेमचंद

* एक अंक के प्रश्न *

1) मुंशी प्रेमचंद जी का वास्तविक नाम क्या था ?

उत्तर– मुंशी प्रेमचंद जी का वास्तविक धनपतराय था ।

2) बचपन में प्रेमचंद जी किससे वंचित रहे ?

उत्तर– बचपन में प्रेमचंद जी मात्रु प्रेम से वंचित रहे

3) प्रेमचंद जी किस वादी के कथाकार थे ?

उत्तर– प्रेमचंद जी यथार्थवादी के कथाकार थे ।

4) प्रेमचंद जी की कहानियाँ किस नाम से संकलित हैं ?

उत्तर– प्रेमचंद जी की कहानियाँ मानसरोवर नाम से संकलित हैं ।

5) प्रेमचंद जी चीजें खरीदने कहाँ गये थे ?

उत्तर– प्रेमचंद जी चीजें खरीदने चौक में गये थे ।

6) प्रेमचंद जी चौक में क्यों गये थे ?

उत्तर– प्रेमचंद जी चौक में दो–चार जरूरी चीजें खरीदने गये थे ।

7) प्रेमचंद जी को क्या नजर आये ?

उत्तर– प्रेमचंद को एक दूकान पर सजे हुए गुलाबी सेब नजर आये ।

8) प्रेमचंद जी का जी क्यों ललचा उठा ?

उत्तर– एक दूकान पर बहुत अच्छे रंगदार, गुलाबी सेब नजर आये तो प्रेमचंद जी का जी ललचा उठा।

10) टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है ?

उत्तर– टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है ।

11) भोजन का आवश्यक अंग किसका है ?

उत्तर– भोजन का आवश्यक अंग टोमाटो का है ।

12) स्वाद में सेब किससे बढकर नही है ?

उत्तर– स्वाद में सेब आम से बढकर नही है ।

13) रस और स्वाद में किससे घटकर भी नही है ?

उत्तर– रस और स्वाद में आम से घटकर भी नही है ।

14) सेब को किस–का स्थान मिल चुका है ?

उत्तर– सेब को आम–का स्थान मिल चुका है ।

15) रोज एक सेब खाने से किनकी जरूरत नही होगी ?

उत्तर– रोज एक सेब खाने से डाक्टरों की जरूरत नही होगी ।

16) पहले गरीबों की पेट भरने की चीज क्या थी ?

उत्तर– पहले गरीबों की पेट भरने की चीज गाजर थी ।

17) आज भोजन के मेजों पर किसको स्थान मिलने लगा है ?

उत्तर– आज भोजन के मेजों पर गाजर को स्थान मिलने लगा है ।

18) प्रेमचंद जी दूकानदार से कितने सेर सेब माँगे ?

उत्तर– प्रेमचंद जी दूकानदार से आध सेर सेब माँगे ।

19) फल खाने का समय क्या है ?

उत्तर– फल खाने का समय प्रातःकाल है ।

20) आदमी बेईमानी कब करता है ?

उत्तर– आदमी बेईमानी तभी करता है जब उसे अवसर मिलता है ।

21) प्रेमचंद जी किस अवसर पर रेवडियाँ ली थी ?

उत्तर– प्रेमचंद जी मोहर्रम के अवसर पर रेवडियाँ ली थी

*** दो अंक के प्रश्न ***

1) आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?

उत्तर– आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के बारे में विचार किया जाता है ।

2) आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन के बारे में क्यों विचार किया जा रहा है ?

उत्तर– आजकल शिक्षित समाज में डाक्टरों से बचने के लिए विटामिन और प्रोटीन के बारे में विचार किया जा रहा है ।

3) दूकानदार ने लेखक (प्रेमचंद) से क्या कहा ?

उत्तर– दूकानदार ने लेखक (प्रेमचंद) से कहा – बाबूजी, बडे मजेदार की सेब आए हैं, खास कश्मीर के । आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी ।

4) दूकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?

उत्तर– दूकानदार ने तराजू उठयी और अपने नौकर से कहा– सुनो, आध सेर कश्मीर सेब निकाल ला । चुनकर लाना ।

5) सेब के विषय में आजकल क्या कहा जा रहा है ?

उत्तर– सेब के विषय में आजकल कहा जा रहा है– रोज एक सेब खा लिया तो डक्टरों की जरूरत न रहेगी । सेब को रस और स्वाद में आम की बराबर स्थान मिला है । इससे शरीर को विटामिन और प्रोटीन मिलता है ।

6) फल खाने का समय क्या है,और क्यों ?

उत्तर– फल खाने का समय तो प्रातःकाल है क्योंकि रात को सेब या कोई दूसरा फल खाने का कायदा नहीं है ।

7) रोज एक सेब खाने से क्या लाभ है ?

उत्तर– रोज एक सेब खाने से हमें बहुत–सी लाभ हैं, जैसे– सेब खाने से विटामिन और प्रोटीन मिलता है, साथ ही डाक्टरों की जरूरत न रहेगी ।

* तीन या चार अंक के प्रश्न *

1) कश्मीरी सेब पाठ में लेखक पाठकों को क्या चेतावनी देते हैं ?
उत्तर– कश्मीरी सेब पाठ में लेखक अपने अनुभव बताते हुए पाठकों को चेतावनी देते हैं   कि अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है ।

2) कश्मीरी सेब कहानी में किस पर प्रकाश डाला गया है ?
उत्तर– कश्मीरी सेब कहानी में बाजार में लोगों के साथ होनेवाली धोखेबाजी पर साथ ही खरीदारी करते समय सावधानी बरतने पर प्रकाश डाला है ।

3) कश्मीरी सेब कहानी से हमें क्या सीख मिलती है ?
उत्तर– कश्मीरी सेब कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं बरतें तो धोखा खाने की संभावना होती है । साथ ही विटामिन और प्रोटीन के बारे में जानकारी मिलती है ।

4) सेब की हालत के बारे में (लिखिए) आप क्या जानते हैं ?
उत्तर– प्रेमचंद जी नाश्ता करने के लिए एक सेब निकाला, तो वह एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था । दूसरा सेब आधा सडा हुआ था । तिसरा एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था । चौथा सेब काटा तो भीतर बोरें में जैसा काला सुराख था । एक सेब भी खाने लायक नहीं थे ।

* अनुरूपता *

1) केला : पीला रंग : : सेब : ----------------   उ : गुलाब रंग |
2) सेब : फल : : गाजर : ---------------------   उ : सब्जी |
3) नागपुर : संतरा : : कश्मीर :--------------   उ : सेब |
4) कपडा : नापना : : टोमाटो : -------------   उ : तोलना |

* जोडकर लिखना *

1) सेब को रुमाल में बाँधकर – अ) प्रात:काल है |
2) फल खाने का समय – आ) मुझे दे दिया |
3) एक सेब भी खाने – इ) बनी हुई थी |
4) व्यापारियों की साख – ई) लायक नहीं |

उत्तर : 1) आ   2) अ   3) ई   4) इ

*** कन्नड में अनुवाद करना ***

1	गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी ।	ಗಜ್ಜರಿಯೂ ಸಹ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.
2	दूकानदार ने कहा – बडे मजेदार सेब आये हैं ।	ತುಂಬಾ ರುಚಿಕರವಾದ ಸೇಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ ಎಂದು ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದನು.
3	एक सेब भी खाने लायक नहीं ।	ಒಂದು ಸೇಬೂ ಕೂಡಾ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.
4	दूकानदार ने मुझे क्षमा माँगी ।	ಅಂಗಡಿಯವನು ನನ್ನಲ್ಲಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ್ದ.

****

3. गिल्लू (रेखाचित्र)

– महादेवी वर्मा

* एक अंक के प्रश्न *

1. गिलहरी का बच्चा कहां पडा था ?
उत्तर : गमलों और दीवार की संधि में पडा था |

2. लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?
उत्तर : पेन्सिलिन का मरहम पट्टी लगाया |

3. वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से पुकारते थों ?
उत्तर : गिल्लू नाम से पुकारते थों |

4. गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था ?
उत्तर : लिफाफे के भीतर बंद रहता था |

5. गिलहरीा का प्रिय खाद्य क्या था ?
उत्तर : काजू और बिस्कुट था |

6.गिलहरी गर्मी के दिनों में कहां लेट जाता था ?
उत्तर : सुराही पर लेट जाता था |

7. गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यत: कितनी होती है ?
उत्तर : दो वर्ष |

8. गिलहरी की समाधि कहां बनायी गयी है ?
उत्तर : सोनजूही लता के नीचों |

* दो अंकवालों प्रश्नोत्तर *

1. लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पडी ?
उत्तर : गिलहरी गमले और दीवार की संधि में छिपक गया था | कौएां नों अपनी चोंचों सों छुआ छुऔल खेलते समय में लेखिका को दिखायी पडी |

2. लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?
उत्तर : गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में ले चले, फिर रूई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगायी | कई घंटों के उपचार के उपरांत उसके मुह में एक बूंद पानी टपकाया जा सका |

3. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?
उत्तर : गिल्लू लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ जाता और उसी तेजी सॆ उतरता था |

4. लेखिका को चौंकाने के लिए गिल्लू कहां कहां छिप जाता था ?
उत्तर : कभी फूलदानों के फूलों में, कभी परदे की चुन्नट में, सॊणजूही की पत्तियों में छिप जाता था |

5. गिल्लू ने लेखिका के गैरहाजरी में दिन कैसे बिता ?
उत्तर: उन दिनो जब कोई दूसरा लेखिका का कमरा खोलता, तब गिल्लू झूले से उतरकर दौढता | अनजान व्यक्ति को देखकर तुरंत अपने घर में जा बैठता | लेखिका के असफताल से लौटने तक उसने अपना प्रिय खाद्य काजु को बहुत कम खाता था |

6. गिल्लू के कार्य कलाप के बारे में लिखिए |
उत्तर: गिल्लू अपने घर में झूलता रहता था | लेखिका जब भी कुच लिखने बैठती उन्हे आकर्षित करने केलिए परदे से उतरकर उनके पैर के पास जाता और ऊपर चढ जाता था | कभी कभी घंटों मेज पर दीवार के सहारे खडा रहता था | दिन भर अन्य गिलहरियोंके साथ उछलता खूदता रहता था | लेखिका को चौकाने केलिए कभी फूल दाने के फूलों में , कभी परदे के चुन्नट में या सोनजूही की पत्तियों में छिप जाता था | उनके साथ खाना खाता था | यही गिल्लू के कार्यकलाप हैं |

7. लेखिका ने गिल्लू को क्या- क्या सिखाया ?
उत्तर: लेखिका ने गिल्लू को बडी कठिनाई के साथ थाली के पास बैठना सिखाया | जहा बैठकर गिल्लू एक-एक चावाल बडी सफाई से खाना सिखाया | कई दिन गिल्लू को काजू न मिलने पर कुछ लेना बंद कर देता था | घरमियों के दिनों में लेखिका के पास रखी सुराही पर चुपचाप लेट जाता था | लेखिका के बाहर जाने पर किडकी की खुली जाली से बाहर जाकर ठीक चार बजें घर लौट आता था |

8. गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए |

उत्तर: गिल्लु की जीवन यात्रा का अंत आ गया था | गिल्लू उस दिन सुबह से न जुछ खाया न बाहार गया | उसके पँजे ठंडे हो गये थे | लेखिका ने उसे गरम करने का प्रयत्न किया | प्रभात की प्रथम किरण के साथ वह चिर निद्रा में सो गया |

* अनुरूपता *

1) 1907 : महादेवी वर्मा जी का जन्म : : 1987 : -------- उ : महादेवी वर्मा जी का देहांत |

2) गुलाब : पौधा : : सोनजुही : -------------- उ : लता |

3) हंस : सफेद : : कौआ : : ---------------- उ : काला |

4) बिल्ली : म्याऊँ –म्याऊँ : : गिल्लू : ----------- उ : चिक–चिक |

5) कोयल : मधुर स्वर : : कौआ : ------------- उ : कर्कष स्वर |

* कन्नड में अनुवाद करना *

1	कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मूँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका		ಹಲವು ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಅದರ ಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲಾಯಿತು.
2	बडी कठिणाई से मैंने उसे थाली के पास बैठना सिखाया		ಬಹಳ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.
3	गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था		ಗಿಲ್ಲು ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಟ್ಟಂತಹ ಹೂಜೆಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.
4	दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया, न वह बाहर गया		ದಿನ ಪೂರ್ತಿ ಗಿಲ್ಲು ಏನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ, ಆಚೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

****

4. अभिनव मनुष्य (कविता)

– रामधारिसिंह 'दिनकर'

* एक अक के प्रश्नोत्तर *

1) आज की दुनिया कै है ?

उत्तर: आज की दुनिया विचित्र और नवीन है |

2) मानाव के हुक्म पर क्या चढता-उतरता है?

उत्तर: मानाव के हुक्म पर पवन का ताप चढता-उतरता है |

3) परमाणु किसे देखकर काँपते है ?

उत्तर: परमाणु मनुष्य के करों को देखकर देखकर काँपते है |

4) आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है?

उत्तर: आधुनिक पुरुष ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय पायी है |

5) नर किन – किनको एक समान लाँघ सकता है ?

उत्तर : नर सरित्, गिरि, सिंधु को एक समान लाँघ सकता है |

6) आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है ?

उत्तर : गगन में जा रहा है |

* दो अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजय पुरुष आसीन ' - इस पंक्ति का आशय समझाइए |

उत्तर : कवि का कहना है कि मनुष्य ने प्रकृति के हर तत्वों पर अर्थात् पृथ्वी, आकाश, वायु,जल तथा अग्नि पर विजय प्राप्त कर ली है, और वे सभी मनुष्य के आदेश पर चल रहे हैं |

2) कवि दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?

उत्तर: * मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना |

* मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडना |

* आपस की दूरी को मिटाना |

* अनुरूपता प्रश्न *

1) गिरि : पहाड : : वारि : ----------------------- उ : जल |

2) पवन : वायु : : सिंधु : : ----------------------- उ : समुद्र |

3) जमीन : आसमान : : आकाश : -------------- उ : पृथ्वी |

4) नर : आदमी : : उर : -------------------------- उ : हृदय |

****

5. मेरा बचपन (आत्मकथा)

– डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

* एक अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ ?
उत्तर : तमिलनाडू के रामेश्वरम् में हुआ |

2) अब्दुल कलाम जी बचपन में किस घर में रहते थे ?
उत्तर : अपने पुस्तैनी घर में रहते थे |

3) अब्दुल कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी ?
उत्तर : अब्दुल कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु किताबें थी |

4) जैनुलाब्दीन ने कौन-सा काम शुरू किया ?
उत्तर : लकडी की नावें बनाने का काम शुरू किया |

5) अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई कौन थे ?
उत्तर : शम्सुद्दीन थे |

* 2-3 अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बिताने के कारण लिखिए |
उत्तर : अब्दुल कलाम का बचपन बडी ही निश्चिंतता तथा सादगी में गुजरा | क्यों कि उनके पिता जी एक आडंबरहीन व्यक्ति थे | परंतु घर में सभी आवश्यक चीजें समुचित मात्रा में उपलब्द थे |

2) आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थी ?
उत्तर : अब्दुल कलाम जी की माता आशियम्मा जी केले के पत्ते पर चावल एवं सुगंधित स्वादिष्ट सांबार डालती थी, साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताजी चटनी देती थी |

3) जैनुलाबदीन नमाज के बारे में क्या कहते हैं ?
उत्तर : जैनुलाबदीन नमाटज के बारे में अब्दुल कलाम जी को समझाते हुए कहते हैं कि - जब हम नमाज पढते हैं तो हम अपने शरीर से भ्रम्हांड का एक हिस्सा बन जाते हैं जिसमें धन, आयु, जाति तथा धर्म का कोई भेद – भाव नहीं रहता |

* तीन अंकों वाले प्रश्नोत्तर *

1) शम्सुद्दीन अकबारों के वितरण कैसे करते थे ?

उत्तर : शम्सुद्दीन जो अब्दुल कलाम जी के चचेरे भाई थे, वे रामेश्वर में अखबारों के एकमात्र वितरक थे | अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी | इस अखबार एजेंसी को वे अकेले चलाते थे | रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हजार प्रतियाँ रोज बिकती थीं |

* अनुरूपता प्रश्न *

1) गाँधीजी : राष्ट्रपिता : : अब्दुल कलाम : ----------------------- उ : राष्ट्रपति |

2) जलालुद्दीन : जीजा : : शम्सुद्दीन : ---------------------------- उ : चचेरे भाई |

3) ट्रेन : भू-यात्रा : : नौका : -------------------------------------- उ : जल यात्रा |

4) हिंदू : मंदिर : : इस्लाम : -------------------------------------- उ : मस्जिद |

* जोडकर लिखना *

अ		ब
1) मेरे पिता	–	अ) चचेरे भाई |
2) मद्रास राज्य	–	आ) अंतरंग मित्र |
3) शम्सुद्दीन	–	इ) रामानंद शास्त्री |
4) अहमद जलालुद्दीन	–	ई) जैनुलाबदीन |
5) पक्का दोस्त	–	उ) तमिलनाडु |
	–	ऊ) रामेश्वरम |

उत्तर : 1) ई   2) उ   3) अ   4) आ   5) इ

****

6. बसंत की सच्चाई (एकांकी)

– विष्णु प्रभाकर

* एक अंक के प्रश्न *

1) बसंत क्या–क्या बेचता था ?

उत्तर– बसंत छलनी, बटन और दियासलाई बेचता था ।

2) बसंत के भाई का नाम क्या था ?

उत्तर– बसंत के भाई का नाम प्रताप था ।

3) पं० राजकिशोर क्या काम करता था ?

उत्तर–पं० राजकिशोर मजदूरों के नेता थे ।

4) पं० राजकिशोर कहाँ रहते थे ?

उत्तर– पं० राजकिशोर किशनगंज में रहते थे ।

5) बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे ?

उत्तर– बसंत और प्रताप भीखू अहीर टीला में रहते थे ।

6) छलनी का दाम क्या था ?

उत्तर– छलनी का दाम दो आना था ।

7) बसंत के घर पर डक्टर को कौन ले आता है ?

उत्तर– बसंत के घर पर डक्टर को अमरसिंह ले आता है ।

8) बसंत में निहित दुर्लभ गुण कौन–सा है ?

उत्तर– बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदारी है ।

9) बसंत की आयु लगभग कितने वर्ष है ?

उत्तर– बसंत की आयु लगभग १२ वर्ष है ।

10) प्रताप की आयु लगभग कितने वर्ष है ?
उत्तर– प्रताप की आयु लगभग १० वर्ष है ।

11) बसंत को एक छलनी बेचने से कितने पैसे बचते थे ?
उत्तर– बसंत को एक छलनी बेचने से दो पैसे बचते थे ।

12) पं० राजकिशोर बसंत को कितने रुपए का नोट दिया था ?
उत्तर– पं० राजकिशोर बसंत को एक रुपए का नोट दिया था ।

13) प्रताप, राजकिशोर के घर क्यों आया ?
उत्तर– प्रताप, राजकिशोर के घर पैसे लौटाने आया ।

14) प्रताप, राजकिशोर के घर कितने आने लौटाने आया ?
उत्तर– प्रताप, राजकिशोर के घर साढे चौदह आने लौटाने आया ।

15) बसंत और प्रताप दोनों भीखू अहीर के घर में क्यों रहते थे ?
उत्तर– बसंत और प्रताप दोनों भीखू अहीर के घर में रहते थे क्योंकि उनके माता–पिता दंगों के दिनों में मारे गए थे ।

16) बसंत, राजकिशोर के पैसे क्यों न लौटा सका ?
उत्तर– बसंत मोटर से टकरा गया था, इसलिए वह राजकिशोर के पैसे न लौटा सका ।

* दो अंक के प्रश्न *

1) छलनी से क्या–क्या कर सकते हैं ?
उत्तर– छलनी से दूध, चाय, तेल, शहद, जूस का रस आदि छान सकते हैं ।

2) बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है ? उत्तर– बसंत रजकिशोर से विनती करता है, साहब सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका । आपसे आशा थी । साहब ! एक तो ले लीजिए ।

3) बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है ?
उत्तर– बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार करता है क्योंकि वह स्वाभिमानी और परिश्रमी था, बिना छलनी बेचे पैसे लेना भीख बराबर मानता था ।

4) बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा ?
उत्तर– बसंत नोट लेकर भुना लाने बाजार की ओर गया था, मगर जब भुनाकर लौट रहा था तो मोटर के नीचे आ गया । मोटर उसके ऊपर से निकल गई ! उसके दोनों पैर कुचले गए । इसलिए राजकिशोर के पास नहीं लौटा ।

5) बसंत के पैर देखकर डाक्टर ने क्या कहा ?
उत्तर– बसंत के पैर देखकर डाक्टर वर्मा ने कहा– पंडित जी ! ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है । स्क्रीन करके देखना होगा । दूसरा पैर ठीक है, पर इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए ।

* तीन या चार अंक के प्रश्न *

1) *बसंत एक ईमानदार लडका है । कैसे ?
* बसंत की सच्चाई में स्वाभिमानी बसंत की ईमानदारी कैसे व्यक्त हुई है ?
* बसंत की ईमानदारी का परिचय सोहादरण दीजिए ।
* बसंत के उत्तम गुणों का वर्णन कीजिए ।
* बसंत परीश्रम की कमाई से जीनेवाला बालक है । कैसे ?

उत्तर– बसंत सचमुच एक ईमानदार लडका है । वह गरीब होकर भी स्वाभिमान और परीश्रम की कमाई से जीनेवाला बालक है । वह बिना छलनी बेचे पैसे लेना भीख बराबर मानता था । मोटर दूर्घटना होने पर भी पं० राजकिशोर के पैसे लौटाता है । यह गरीब है पर इसमें दूर्लभ गुण ईमानदारी है ।

2) * पं० राजकिशोर के मानविय व्यवहार का परिचय दीजिए ।
* पं० राजकिशोर के परोपकारी गुणों का परिचय दीजिए ।
* पं० राजकिशोर के मानविय गुण अनुसरणीय है । कैसे । बताइए ।
* पं० राजकिशोर के परोपकारिता अनुसरणीय है । स्पष्ट कीजिए ।
* पं० राजकिशोर कंगालों के प्रति हमदर्दी दिखानेवाला व्यक्ति है । कैसे । बताइए ।
* पं० राजकिशोर एक आदर्श नेता हैं । कैसे । बताइए ।

उत्तर– पं० राजकिशोर एक आदर्श व्यक्ति हैं । वह मजदूरों का नेता है । वह दयालु और परोपकारी हैं । गरीब बसंत से कोई चीज खरीदे बिना उसे पैसे देने का कोशिश करता है । दूर्घटना होने पर बसंत के घर आकर उसका उपचार कराता है । बसंत को एम्बुलंस द्वारा अस्पताल ले जाता है । कंगालों के प्रति हमदर्दी दिखानेवाला व्यक्ति है । आदर के साथ व्यवहार करनेवाले पं० राजकिशोर के परोपकारिता अनुसरणीय है ।

* अनुरूपता प्रश्न *

1) पं.राजकिशोर : किशनगंज : : बसंत : ----------- उ : भीखू अहीर/ अहीर टीला |

2) पं.राजकिशोर : मजदूरों के नेता : : बसंत : ------ उ : एक गरीब शरणार्थी लडका |

3) पं.राजकिशोर : मालिक : : अमरसिंह : --------- उ : नौकर |

4) प्रताप : छोटा भाई : : वर्मा : ------------- उ : डाक्टर |

5) ? : प्रश्नार्थक चिह्न : : ! : ------------- उ : विस्मयादी बोधक चिह्न |

* कन्नड अनुवाद *

1	उसकी आयु लगबग 12 वर्ष की है |	ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಹೆಚ್ಚು-ಕಡಿಮೆ 12 ವರ್ಷ ಆಗಿತ್ತು.
2	सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका |	ಬೆಳಗ್ಗೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೂ ಏನೂ ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ.
3	मैं भीख नहीं लूँगा |	ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆಯನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.
4	बडी मुश्किल से बसंत को घर ले गए |	ಅತಿ ಕಷ್ಟದಿಂದ ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆತರಲಾಯಿತು.
5	बसंत ओंठ भींचकर आह खींचता है |	ಬಸಂತನು ತುಟಿ ಕಚ್ಚಿಕೊಂಡು ನೋವನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಂಡನು.
6	यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है |	ಇವನು ಬಡವ ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ದುರ್ಲಭ ಗುಣವಿದೆ.

****

7. तुलसी के दोहे (दोहा)

– तुलसीदास

* निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

१) तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं ?

उ: तुलसी दासजी मुख को सारे अंगों का पालन पोषण करनेवाला मुखिया मानते हैं |

२) मुखिया को किसके समान रहना चाहिए ?

उ: मुखिया को मुख के समान रहना चाहिए |

३) हंस का गुण कैसा होता है ?

उ: हंस का गुण पानी रूपी विकारों को छोडकर दूध रूपी आदर्श गुणों को अपनानेवाला होता है |

४) मुख किस का पालन पोषण करता है ?

उ: मुख शरीर के सारे अंगों का पालन पोषण करता हैं |

५) दया किसका मूल है ?

उ: दया धर्म का मूल है |

६) तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं ?

उ: तुलसी दासजी राम भक्ति शाखा के कवि हैं |

७) तुलसीदास के माता–पिता कौन हैं ?

उ: तुलसी दासजी की माता हुलसी और पिता आत्माराम है |

८) तुलसीदास के बचपन का नाम क्या है ?

उ: तुलसी दासजी के बचपन का नाम रामभोला हैं |

९) पाप का मूल क्या है ?

उ: पाप का मूल अभिमान है |

१०) तुलसीदासजी के अनुसार विपत्ती के साथी कौन हैं ?

उ: तुलसी दासजी के अनुसार विपत्ती के साथी विद्या–विनय–विवेक हैं |

* निम्न प्रश्नों के उत्तर दो–तीन वाक्यों में लिखिए :

१) मुखिया को मुख के समान होना चाहिए कैसे ?

उ:– मुखिया को मुख के समान होना चाहिए क्यों की मुँह खाने–पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता–पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन–पोषण करता है | तुलसी के राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चिहिए की वह काम अपने तरह से करे लेकिन उसका फल सभी में बाँटें |

२) मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए ?

उ:– सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड–चेतन और गुण–दोष से मिलाकर बनाया है, अर्थात इस संसार में अच्छे बुरे समझ, नासमझ के रूप में अनेक गुण–दोष भरे हुए हैं; लेकिन हंस रूपी साधु लोग पानी रूपी विकारों को छोडकर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाते हैं |

३) मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश कब फैलता है ?

उ:– प्रस्तुत दोहे के द्वारा तुलसीदासजी कहते हैं की जिस तरह देहरी पर दीया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम– नाम जपने से मानव की आंतरिक तथा बाह्य शुद्धी होती है |

* अनुरूपता :

१) दया : धर्म का मूल : : पाप : अभिमान का

२) परिहरि : त्यागना : : करतार : सृष्टिकर्ता

३) जीह : जीभ : : देहरी : द्वार

* भावार्थ लिखिए :

१. मुखिया मुख सो ---------------सहित विवेक ||

प्रस्तुत दोहे में तुलसीदासजी मुख अर्थात मुँह और मुखिया दोनों की स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं की मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए क्यों की मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है,तुलसी के राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए की वह काम अपनी तरह से करे लेकिन उसका फल सभी में बाँटें |

२. तुलसी साथी -----------------भरोसो एक ||

प्रस्तुत दोहे में तुलसीदासजी कहते हैं की मनुष्य पर जब विपत्ती पदती है तब विद्या, विनय, तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं | जो राम पर भरोसा करता है वह साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है |

* जोडकर लिखिए :

अ	ब
१) विश्व कीन्ह	करतार
२) परिहरि वारि	विकार
३) जब लग घट	में प्राण
४) सुसत्य व्रत	राम भरोसो एक

****

8. इंटरनेट क्रांति (निबंध)

* निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :

१) इंटरनेट का अर्थ क्या है ?

उ: इंटरनेट अनगिनत कम्पूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है ।

२) संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

उ: आज पल भर में दुनिया के किसी भी कोने में विचार,चित्र, विडियो भेजना मुमकिन हुआ है, इंटरनेट के बिना यह क्षेत्र ठप पड जायेगा |

३) इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकत है ?

उ: इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी जगह पर चाहे जितनी रकम भेजी जा सकती है ।

४) प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं ?

उ: प्रगतिशील राष्ट्र ई–गवर्नेन्स (ई–प्रशासन) के द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं |

५) समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है ?

उ: चिकित्सा, विज्ञान, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान आदि क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है|

६) इंटरनेट क्रांति का असर किस पर पडा है ?

उ: इंटरनेट का असर बच्चों से लेकर बडे बूढों तक सब पर पडा है |

७) आई.टी.ई.एस का विस्तृत रूप क्या है ?

उ: इसका मतलब– “इनफारमेशन टेक्नोलोजी एनेबल्ड सर्विसेस” – होता है |

* निम्न प्रश्नों के उत्तर दो–तीन वाक्यों में लिखिए :

१) इंटरनेट का मतलब क्या है ?

उ:– इंटरनेट अनगिनत कम्पूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है | जिसकी वजह से सारे विश्व का विस्तार एक गाँव का–सा छोटा हो गया है |

२) व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?

उ:– इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं | किसी भी प्रकार का बिल भर सकते हैं | इससे दूकान जाने और लाईन में घंटों खडे रहने का समय बच सकता है | इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी जगह पर चाहे जितनी रकम भेजी जा सकती है |

३) ई–गवर्नेन्स क्या है ?

उ:– ई–गवर्नेन्स द्वारा सरकर के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख. सरकारी आदेश, आदि को यथावत è लोगोंको सूचित किया जाता है | इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है |

* निम्न प्रश्नों के उत्तर चार–छ: वाक्यों में लिखिए :

१) संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

उ:– इंटरनेट द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, या विडियो चित्र हो, साथ ही एक पूरे पुस्तकालय के विषय सामग्री को भी कम समय में कहीं भी भेज सकते हैं | तथा रेल्वे हवाई जहाज के टिकट तथा होटेल बुकिंग जैसे अन्य कई प्रकार के काम इससे संभव है; इसीलिए इसका महत्व बढ गया है |

२) ‘विडियो कान्फरेन्स’ के बारे में लिखिए :

उ:– ‘विडियो कान्फरेन्स’ द्वारा एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ ८–१० दूरदर्शन के परदों पर चर्चा कर सकते हैं | विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार–विनिमय कर सकते हैं | एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ आपसी विचार–विनिमय कर सकते हैं |

३) 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारीखोज है ; कैसे ?

उ:– 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारीखोज है | जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खडा कर दिया है | 'सोशल नेटवर्किंग' के कई साईट्स हैं , जैसे– फेसबुक, आरकुट,ट्विटर, लिंकड इन, आदि | इसके कारण देश विदेश के लोगों की रहन–सहन, खान–पान, वेश–भूषा, के अलावा संस्कृति तथा कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड रहा है | इसीलिए इसे एक क्रांतिकारी खोज कहा गया है |

४) इंटरनेट से कौन–सी हानियाँ हो सकती हैं ?

उ:– इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है | इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ रही है | मुफ्त वेब साईट्स, चैटिंग आदि से युवा पीढी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाहों के पाश में फँसे हुए हैं | इससे वक्त का दुरुपयोग होता है; अत: बच्चे अनावश्य जानकारी प्राप्त कर रहे हैं |

* अनुरूपता :

१) कम्पूटर : संगणक यंत्र : : इंटरनेट : अंतर्जाल

२) आई.टी: इनफारमेश टेक्नोलोजी ::आई.टी.ई.एस :इनफारमेशन टेक्नोलोजी एनेबल्ड सर्विसेस

३) फेसबुक : वरदान : : हैकिंग : अभिशाप

४) वीडियो कान्फरेन्स : विचार–विनिमय : : ई–प्रशासन : पारदर्शी प्रशासन

* जोडकर लिखिए

१) इंटरनेट ने पूरे विश्व को	एक छोटा गाँव का रूप दिया है |
२) इंटरनेट द्वारा कोई भी	बिल भर सकते हैं |
३) इंटरनेट समाज के लिए	बहुत बडा वरदान साबित हुआ |
४) इंटरनेट की वजह से	पैरसी, हैकिंग, आदि बढ रही है |
५) इंटरनेट से सब को	सचेत रहना चाहिए |

* कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

१) इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है |

ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

२) इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदरी कर सकते हैं |

ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಖರೀದಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ.

३) इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी कोमिटा सकते हैं |

ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮುಖಾಂತರ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಸಮಸ್ಯೆಯನ್ನು ನಿವಾರಿಸಬಹುದಾಗಿದೆ.

9. ईमानदारों के सम्मेलन में (व्यंग्य रचना)

– हरिशंकर परसाई

*** निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :**

१) प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन है ?

उ:– प्रस्तुत कहानी के लेखक श्री हरिशंकर परसाई हैं |

२) लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे ?

उ:– लेखक एक सौ पचास रूपये बचाने के लिए दूसरे दर्ज में सफर करना चाहते थे |

३) लेखक की चप्पलें किसने पहनी थीं ?

उ:– लेखक की चप्पलें एक ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थी |

४) स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे ?

उ:– स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे |

५) लेखक पहनने के कपडे कहाँ दबाकर सोये ?

उ:– लेखक पहनने के कपडे सिरहाने दबाकर सोये |

६) सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन–किन को प्रेरणा मिल सकती थी ?

उ:– सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती है |

७) लेखक को कहाँ ठहराया गया ?

उ:– लेखक को होटेल के एक बडे कमरे में ठहराया गया |

८) ब्रीफकेस में क्या था ?

उ:– ब्रीफकेस में कुछ कागजात थे |

९) लेखक ने धूप का चशमा कहाँ रखा था ?

उ:– लेखक ने धूप का चशमा कमरे की टेबुल पर रखा था |

१०) तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था ?

उ:- तीसरे दिन लेखक के कमरे से कम्बल गायब हो गया था |

* दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१) लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था ?

उ:- लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में यह लिखा गया था की – हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहें है | आप देश के प्रसिद्द ईमानदार हैं | हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें | हम आप को आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदी की उत्तम व्यवस्था करेगें | आप के आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बडी प्रेरणा मिलेगी |

२) फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?

उ:- फूल मालाएँ मिलने पर लेखक ने सोचने लगे की – "आस-पास कोई माली होता तो फूल मालाएँ भी बेच लेता" |

३) लेखक ने मंत्री को क्या समझाया ?

उ:- लेखक ने मंत्री को समझाया की – "ऐसा हरगिज मत करियें ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाश ले, यह बडी अशोभनीय बात होगी | फिर इतने बडे सम्मेलन मे थोडी गडबडी होगी ही" |

४) चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया ?

उ:- चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने सुझाव दिया की – "देखिए चप्पलें एक जगह नहीं उतरना चाहिए | एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर | तब चप्पलें चोरी नहीं होती | एक ही जगह जोडी होगी, तो कोई भी पहन लेगा | मैने ऐसा ही किया था" |

५) लेखक ने कमरा छोडकर जाने का निर्णय क्यों लिया ?

उ:- लेखक ने कमरा छोडकर जाने का निर्णय लिया क्यों की – "लेखक की चप्पलें, चशमा, बिस्तर और ताला तक चोरी हो गया था | अगर मै भी बचा तो मुझे भी चुरा लिया जाएगा समझकर निर्णय लिया |

६) मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है ?

उ:- पहले दर्ज का किराया लेकर दूसरे दर्ज में सफर करके एक सौ पचास रूपये बचाना और स्वागत में पहनाई गयी दस फूलमलाओं को किसी माली को बेच लेता |

*** चार-छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :**

१) लेखक के धूप का चशमा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए |

उ:- दूसरे दिन बैठक में जाने के लिए धूप का चश्मा खोजने लगा, तो नहीं मिला जो शाम को तो था | जब लेखक इस बात को एक-दो लेगों से कहा तो बात फैल गयी | लोगों ने सहानुभूति प्रकट की | एक सज्जन आकर लेखक का धूप का चश्मा चोरी होने के बारे में कहा उसने धूप का चश्मा पहना था | वह एक दिन पहले चश्मा नहीं लगाया था | लेखक को मालूम हो गया कि जो चश्मा उस सज्जन ने लगाया था वह लेखक का ही था | वह लेखक से कहने लगा की "आप ने चश्मा लगाया नहीं था ? और उस सज्जन ने लेखक का चश्मा लगाये इतमीनान से बैठा था |

२) मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुवा ?

उ:-म मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे कि "तुम लोग क्या कहते हो ? तुम्हारी ड्युटी यहाँ है | तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही है | यह ईमानदार सम्मेलन है | बाहर यह चोरी की बात फैलेगी तो कितनी बदनामी होगी | तब कार्यकर्ताओं ने कहा कि – "हम क्या करें ? अगर सम्माननीय डेलिगेट यहाँ-वहाँ जायें, तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं ? मंत्री ने गुस्से से कहा की – मै पुलिस को बुला कर यहाँ तलाशी करवाता हूँ | तब एक कार्यकर्ता ने कहा की – तलाशी किनकी करवायेंगे, आधे के डेलिगेट तो किराया लेकर दोपहर को ही वापस चले गये" |

३) सम्मेलन में लेखक को कौन-से अनुभव हुए ? संक्षेप में लिखिए |

उ:- स्टेशन पर लेखक का खूब स्वागत हुवा | लगभग दस बडी फूलाएँ लेखक को पहनाई गयी तो उसने सोचा की आस-पास कोई माली होता तो फूल-मालाएँ भी बेच लेता | सम्मेलन में लेखक की नयी चप्पलें गयाब थीं उसके बदले में फती पुरानी चप्पलें बची थीं | एक सज्जन ने ही लेखक की चप्पल पहना था | तो लेखक को मालूम हुआ और उसने उल्टा लेखक को ही समझा रहा था | लेखक को उस सज्जन ने चश्मा पहनकर इतमीनान से बैठे देख रहा था | तीसरे दिन रात में उसे कंबल को खोजने लगा तो कंबल भी गयाब था और सम्मेलन में सब ईमानदारी की बाते करते थे | पर सब बेईमानी थे | अंत में ताला भी गायब हुवा था | यह सब देखकर लेखक लगा की – "अगर वे रूके तो वे भी चुरा ले जायेंगे" | इस प्रकार लेखक को सम्मेलन में बहुत से अनुभव हुए |

*** अनुरूपता :**

१. पहला दिन : चप्पलें गायब थी : : दूसरे दिन : बिस्तर की चादर गायब थी |

२. तीसरे दिन : कम्बल गायब था : : चौथे दिन : ताला गायब

३. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन : : साइकिल : दो पहियों का वाहन

४. रेलगाडी : पटरी : : हवाईजहाज : : हवा

*** कन्नड या अम्ग्रेजी में अनुवाद कीजिए :**

१. हम आपको आने–जाने का पहलए दर्जे का किराया देंगे |

ನಾವು ತಮಗೆ ಹೋಗಿ ಬರುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಮೊದಲ ದರ್ಜೆಯ ಭತ್ತೆಯನ್ನು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

२. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ |

ಸ್ಟೇಶನ್ನಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಬಹಳ (ಅದ್ಧೂರಿ) ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು.

३. देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए |

ನೋಡಿ ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು.

४. अब मैं बचा हूँ | अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा |

ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ, ಒಂದು ವೇಳೆ ಇಲ್ಲೇ ಉಳಿಸಿಕೊಂಡರೆ ನನ್ನನ್ನು ಸಹ ಕಳವು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ.

****

10. दुनिया में पहला मकान (लेख)

– डॉ. विजया गुप्ता

*** निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :**

१. सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे ?

उ:– सिंगफो आदिवासीगुफाओं में तथा पेडों के नीचे रहते थे |

२. सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया ?

उ:– सबसे पहले आदमी को मकान बनाना पशुओं ने सिखाया |

३. मकान के बारे में पूछ–ताछ करने दोनों दोस्त कहाँ चल पडे ?

उ:– मकान के बारे में पूछ–ताछ करने दोनों दोस्त जंगल की ओर चल पडे |

४. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई ?

उ:– दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई |

५:– दोस्तों ने क्या–क्या तय किया ?

उ:– दोस्तों ने मकान बनाने का तय किया |

६:– हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले ?

उ:– हाथी से उत्तर पाकर दोस्त साँप से मिले |

७. सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया ?

उ:– सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने एक जगह मकान बनाने का काम किया |

*** निम्न प्रश्नों के उत्तर दो–तीन वाक्यों में लिखिए :**

१. लालिम और किंचा लालीदाम जंगल की ओर क्यों चल पडे ?

उ:– उन दिनों आदमी गुफाओं में और पेडों के नीचे रहता था | उस समय किंद्रू लालिम और किंचा लालिदाम नामक दो दोस्तों ने तय किया की वे मकान बनाएँगे | मुश्किल यह थी की वे नहीं जानते थे कि मकान कैसे कैसे बनाया जाता है, इसलिए वे पशुओं से पूछ–ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पडे |

२. दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की ?

उ:– दोस्तों ने हाथी के साथ “हाथी भाई, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं | आप बता सकते हैं कि मकान कैसे बनाया जाता है |

३. हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया ?

उ:– हाथी ने दोस्तों को “इसमें क्या कठिनाई है? पेडों से लकडी के इतने मोटे और मजबूत गोले काट लो, जितने मेरे पैर हैं |” कहते हुए उत्तर दिया |

४. दोस्तों ने किन–किन जानवरों से मुलाकात कई ?

उ:– दोस्तों ने हाथी, साँप, भैंस, और मछली आदि जानवरों से मुलाकात की |

* निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन–चार वाक्यों में लिखिए :

१. साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया ?

उ:– साँप ने दोस्तों को यह सुझाव दिया की–“ऐसा करो की लकडी ऐसी पतली और लंबी काटो, जैसा मैं हूँ |” और आगे की बात मैं नहीं जानता मुझे रत्ती भर भी पता नहीं है |

२. भैंस के पंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली ?

उ:– भैंस के पंजर से दोस्तों को यह जानकारी मिली की “ जैसे इस पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पडी है, उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाड कर उन पर पतली और लंबी लकडियों से छप्पर का पंजर बना लेने की जानकारी मिली |

३. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया ?

उ:– मछली ने दोस्तों के प्रश्न का जवाब दिया की –“ आप लोग जरा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो | फिर पेडों से बहुत सी पत्तियाँ तोड लो | इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ हैं |

*. अनुरूपता :

१. हाथी : जंगली जानवर : : भैंस : ----------   उ : पालतू जानवर
२. मछली : पानी : : साँप : --------------   उ : जमीन
३. मछली : तैरना : : साँप : --------------   उ : रेंगना
४. हाथी : सूँड : : भैंस : : ---------------   उ : सींग

* जोडकर लिखिए :

अ	ब
१) तालाब	मछली
२) हाथी	पैर
३) भैंस	हड्डियाँ
४) पहला	मकान
५) सिंगफो	आदिवासी

* कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

१. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया |
ಎಮ್ಮೆಯು ಗೆಳೆಯರಿಗೆ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರ ತೋರಿಸಿತು.
२. साँप ने कहा, 'आगे की बात मैं नहीं जानता' |
ಮುಂದಿನ ಮಾತು ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ ಎಂದು ಹಾವು ಹೇಳಿತು.
३. हाथी बोला '' इसमें क्या कठिनाई है ?'
ಇದರಲ್ಲೇನಿದೆ ಕಠಿಣತೆ? ಎಂದು ಆನೆಯು ಹೇಳಿತು.
४. तालाब में एक बडी मछली तैर रही थी |
ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತ್ತಲಿದೆ.

****

11. समय की पहचान (कविता)

– सियाराम शरणगुप्त

*** एक वाक्य में उत्तर लिखिए :**

१. कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नहीं मिलता ?

उ:– कवि के अनुसार मनुष्य को समय नष्ट करने से सुख नहीं मिलता |

२. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?

उ:– बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है |

३. समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

उ:– समय ईश का दिया हुआ अनुपम धन है |

४. कवि किस पर विश्वास करने को कहते हैं ?

उ:– कवि आत्मा पर विश्वास करने को कहते हैं |

५:– समय के खोने से क्या होता है ?

उ:– समय के खोने से पीछे पछताना पडता है |

*** निम्न प्रश्नों के उत्तर दो–तीन वाक्यों में लिखिए :**

१. मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?

उ:– मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति तभी संभव है, जब की सुसमय पर जो भी कार्य करना है उसे उसि समय में ही मन लगाकर करें, तभी सुख प्राप्त होता है |

२. समय का सदुपयोग कब करना चाहिए ?

उ:– आलस को छोडकर, बिना किसी बहाने की जो काम करना है, उसी समय में ही मन लगाकर करना चाहिए | तभी तो समय का सदुपयोग होता है |

३. कविता की अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते है ?

उ:- कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि कहना चाहते हैं की हमे जो काम करना है उसे मन लगाकर आत्मविश्वास के साथ आलस्य को भगाकर काम करना चाहिए | हम उस समय को ही सुसमय समझना चाहिए | अगर उस समय का सदुपयोग नहीं करेंगे तो हमें बहुत पछताना पडेगा |

*** निम्न लिखित शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरो:**

१. जो करना है करो अभी कल हो क्या जाने ?

२. चाहो तुम क्यों नहीं चक्रवर्ती भी होके |

३. यही समय ही अहो तुम्हार शुभ जीवन है |

४. खोकर पीछे इसे सर्वथा पछताओगे |

*** अनुरूपता :**

१. आलस : परिश्रम : : नष्ट : लाभ

२. जानो : मानो : : लगा दो : बुझा दो

३. धन : निर्धन : : दिया : लिया

४. जीवन : मरण : : खोना : पाना

*** जोडकर लिखिए :**

अ	ब
१) उद्योगी	सुसमय
२) आलस	बहाना
३) जीवन	पल-पल
४) समय	अनुपम धन
५) द्रव्य	समता

****

12. रोबोट (कहानी)

– डॉ. प्रदीप मुखोपाद्याय 'आलोक'

* एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. वर्षों से सक्सेना परिवार में कौन काम कर रहा है ?

उ:– वर्षों से सक्सेना परिवार में साधोराम काम कर रहा है ।

२. धीरज सक्सेना किस कार्यालय में जा पहुँचे ?

उ:– धीरज सक्सेना रोबोटोनिक्स कार्पोरेशन कार्यालय में जा पहुँचे ।

३. एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से क्या साफ कर रहा था ?

उ:– एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से दफ्तर के फर्श को साफ कर रहा था ।

४. रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई ?

उ:– रोबोनिल की मुलाकात रोबोदीप से हुई ।

५. शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम लिखिए ।

उ:– शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम झबरु था ।

६. रोबोनील और रोबोदीप किससे मिलने गए ?

उ:– रोबोनील और रोबोदीप रोबोजीत से मिलने गए ।

७. वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए ।

उ:– वैज्ञानिक लेखक का नाम आइजक आसिमोव है ।

* दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. साधोराम को क्या हुआ था ?

उ:– वर्षों से सक्सेना परिवार में साधोराम काम कर रहा था । साधोराम को अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई थी । उसे अस्पताल में भर्ती करना पडा । सक्सेना परिवार बडा था । बेटे–बेटियों, नाती–पोतों से घर में हमेशा रौनक और चहल–पहल बनी रहती साधोराम के अस्पताल पहुँच जाने से सभी की तकलीफें बढ गई । धीरज सक्सेना से परिवारवालों का यह दुख नहीं देखा गया ।

२. धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरुरत क्यों थी ?

उ:– धीरज सक्सेना को घरेलू कामकाज के लिए बुद्धिमान रोबोट की जरुरत थी ।

३. रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा ?

उ:– रोबोदीप ने रोबोनिल से कहा – जानते हो रोबोनिल तुम्हारे आने से पूर्व पहले सक्सेना परिवार में कौन काम करता था ।

४. रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की ?

उ:– कोई रोबोट किसी इंसान के नुकसान का कारण बने, साथ–साथ मानवीय नजरिये से भी यह गलत है कि हमारे कारण किसी भी इंसान की नौकरी को खतरा पहुँचे । इस बात को समझाने की कोशिश की ।

५. कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुवा ?

उ:– कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल कि धात्विक और तारों भरें परिपंथवाली खोपडी में यकायक मानो नीली रोशनी हो गई ।

* पाँच–छ: वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया ?

उ:– सक्सेना परिवार बढा था । बेटि–बेटियों, नाती–पोतों से घर में हमेशा रौनक और चहल–पहल बनी रहती । साधोराम के अस्पताल पहुँच जाने से सभी की तकलीफें बढ गई । धीरज सक्सेना से परिवारवालों का यह दु;ख नहीं देखा गया । इसिलिए व परिवार के नाते कोई रोबोट रखने का निर्णय लिया ।

२. रोबोनिल और रोबोदीप की मुलाकात का वर्णन कीजिए ।

उ:– धीरज सक्सेना का रोबोट रोज श्याम को शेरु को टहलाने के लिए ले जाता था । ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हो गई । रोबोदीप उसी मोहल्ले में रहनेवाले शर्मा परिवार के कुत्ते झबरु को घुमाने आया करता था । दोनों रोबोटों के बिच दोस्ती हुई तो शेरू और झबरू भी आपस में हिल–मिल गए । रोबोनिल और रोबोदीप ने धीरज सक्सेना के घर मे काम करनेवाले साधोराम के भारें में चर्चा की ।

३. विज्ञान कथा का सार लिखिए ।

उ:– एक घर में नौकर को जो किसी जानलेवा बीमारी से पीडित था, निकालकर उसकि जगह पर एक रोबोट को रख दिया जाता है । किसी तरह रोबोट को इस बात की जानकारी मिल जाती है तो वह रोबोटिक संघ से संपर्क साधकर संघ को सारी बातों से अवगत करता है । संघ रोबोटों की हडताल की घोषण कर देता है । अंतत: समझौता इस बात पर होता है कि उस नौकर को घर में फिर से रख लिया जाएगा ।

४. रोबोटिक कंपनियों के मालिको के बीच हलचल क्यों मच गई ?

उ:– रोबोटिक कंपनियों के मालिको के बीच इस आह्वन से हलचल मच गई उन्होंने रोबोजीत पर सक्सेना परिवार के साथ हुए अनुबंध को तुरंत रद्द कर देने का दबाव डाला । रोबोजीत अकेला पड गया। मजबूरन उसे धीरज सक्सेना के साथ अपने अनुबंध को तुरंत रद्द करके रोबोनिल को वापस बुलाने की बात माननी पडी ।

* जोडकर लिखिए :

अ	ब
१. यह सुनकर काउंटर पर	बैठा रोबाट बोला
२. मगर रोबोदीप यहा तो	रोबोटिक के नियम के विरूद्ध है ।
३. शाम को रोबोनिल	और रोबोदीप मिले
४. दोनों के बीच कुछ	गुप्त मंत्रणा हुई
५. सक्सेना परिवार रोबोनिल को	पाकर फुला नहीं समारहा था ।

* अनुरूपता :

१. शेरू को टहलाना : रोबोनिल : : झबरू को घुमाना : रोबोदीप

२. मुखिया : धीरज सक्सेना : : सेवक : साधोराम

३. टस से मस न होना : अटल रहना : : फूले न समाना : बहुत खुश होना

****

13. महिला की साहस गाथा (व्यक्ति परिचय)

*एक अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) बिछेंद्री पाल को कौनसा गौरव प्राप्त हुआ ?

उत्तर : बिछेंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढनेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ |

2) बिछेंद्री के माता-पिता कौन थे ?

उत्तर : बिछेंद्री की माता हंसादेई नेगी और पिता किशनपाल सिंह थे |

3) बिछेंद्रि ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर : बिछेंद्री ने निश्चय किया कि वह भी अपने भाई जैसे पहाडों पर चढेगी और उनसे भी बेहतर करके दिखाएगी |

4) बिछेंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढाई की ?

उत्तर : बिछेंद्री ने गंगोत्री ग्लेशियर पर चढाई की |

5) सन् 1983 में दिल्ली में कौनसा सम्मेलन हुआ था ?

उत्तर : सन् 1983 में दिल्ली में ' हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन ' हुआ था |

6) एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ?

उत्तर : एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ रज्जु नेता अंगदोरजी थे |

7) कर्नल का नाम क्या था ?

उत्तर : कर्नल का नाम खुल्लर था |

8) ल्हाटू कौन-सी रस्सी लाया था ?

उत्तर : ल्हाटू नायलॉन की रस्सी लाया था |

9) बिछेंद्री ने थैले से कौन-सा चित्र निकाला ?

उत्तर : बिछेंद्री ने थैले से हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकाला |

10) कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से क्या कहा ?

उत्तर : कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से कहा कि - “ देश को तुम पर गर्व है |”

11) मेजर का नाम क्या था ?

उत्तर : मेजर का नाम कुमार था |

12) बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौनसा पदक देकर सम्मान किया ?

उत्तर : बिछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने स्वर्ण पदक देकर सम्मान किया |

* दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए *

1) बिछेंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए |

उत्तर: बिछेंद्री पाल का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था | पिता किशन पाल सिंह और माता हंसदेई नेगी की पाँच संतानों में बिछेंद्री तीसरी संतान हैं |

2) बिछेंद्री का बचपन कैसे बीता ?

उत्तर: बिछेंद्री पाल का बचपन संघर्षमय था | रोज पाँच किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाती थी | पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लिया | सिलाई का काम सीखकर पढाई का खर्च जुटाया | इस तरह परिश्रम करके संस्कृत में एम् . ए तथा बी.एड तक शिक्षा प्राप्त की |

3) एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने क्या किया ?

उत्तर: एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेंद्री ने फावडे से बर्फ की खुदाई करके अपने आप को सुरक्षित रूप से स्थिर किया | अपने घुटनो के बल पर बेठकर सागरमाथे का चुंबन किया | हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ की पूजा करके उसे बर्फ में दबाया |

* चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए *

1) दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारे मे लिखिए |

उत्तर: दक्षिणी शिखर पर चढते समय बिछेंद्री को बहुत कठिनाईयों को सामना करना पडा | शिखर के ऊपर तेज हवा बह रही थी | तेज हवा के कारण बर्फ के कण चारो तरफ उड रहे थे | जिससे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था | तोडी दूर तक कोई ऊँची चढाई नहीं थी | बल्की ढलान एकदम सीधी नीचि चली गयी थी | जिसे देखकर भिछेंद्री की साँस एकदम रुख गयी थी | कुछ दूर चढने के बाद बिछेंद्री को लगा कि - सफलता बहुत नजदीक है |

2) महिला की साहस गथा पाठ से क्या सीख या संदेश मिलता है ?

उत्तर: महिला की साहस गथा पाठ से यह संदेश मिलता है कि - महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन पुरुषों से कुछ कम नहीं हैं | साहस, परिश्रम, दृढनिश्चय, मुसीबतो का सामना करना आदि गुण बिछेंद्री द्वारा हमें मिलता हैं | “ परिश्रम का फल अच्छा होता है" | यह संदेश भी इस पाठ से मिलता है |

*** अनुरूपता प्रश्न ***

1) पहाड : गिरि : : चोटी : ----------------- उ : शिखर |

2) कालानाग : पर्वत : : गंगोत्री : ----------- उ : ग्लेशियर |

3) कर्नल : खुल्लर : : मेजर : ---------------- उ : कुमार |

4) चाय : गरम : : बर्फ : -------------------- उ : ठंडी |

5) पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनजिंग नोर्गे : : पहली एवरेस्ट पर्वतारोही महिला : ----------
उ : बिछेंद्री पाल |

*** जोडकर लिखिए ***

अ		ब
1) गंगोत्री ग्लेशियर	-	अ) सन् 1984
2) पर्वतारोहियों का सम्मेलन	-	आ) सन् 1985
3) एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना	-	इ) सन् 1982
	-	ई) सन् 1983

*** कन्नड में अनुवाद ***

1	बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था|	ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಗಿತ್ತು.
2	बिछेंद्री को पैदल चलकर स्कूल जाना पडता था		ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯು ದಿನಾಲು ಕಾಲು ನಡಿಗೆಯಲ್ಲಿ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು.
3	दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गती बढ गई थी		ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.
4	मुझे लगा कि सफलता बहुत नजदीक है		ನನಗೆ ಜಯ ಬಹಳ ಹತ್ತಿವಿದೆ ಎಂದು ಅನಿಸಿತ್ತು.
5	मैं एवरेस्ट की चीटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी		ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರ ಹತ್ತಿದ ಪ್ರಥಮ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆ.

****

14. सूर – श्याम (पद)

– सूरदास

* एक अंकवाले प्रश्नोत्तर *

1. सूर – श्याम पद के रचयिता कौन है ?
उत्तर : सूर – श्याम पद के रचयिता सूरदास है |

2. कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है ?
उत्तर : कृष्ण की शिकायत भाई बलराम के प्रति है |

3. यशोदा और नंद का रंग कैसा था ?
उत्तर : यशोदा और नंद का रंग गोरा था |

4. चुटकी दे – देकर हंसनेवाले कौन थे ?
उत्तर : चुटकी दे – देकर हंसनेवाले अपने ग्वाल मित्र थे |

5. यशोदा किसकी कसम खाती है ?
उत्तर : यशोदा गोधन की कसम खाती है |

6. बाल कृष्ण किससे शिकायत करता है ?
उत्तर : बाल कृष्ण अपनी मां यशोदा से शिकायत करता है |

7. बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है ?
उत्तर : बलराम के अनुसार कृष्ण को मोल लिया गया है |

8. सूरदास किस शाखा के कवि थे ?
उत्तर : सूरदास कृष्ण भक्ति शाखा के कवि थे |

9. चुगलखोर कौन है ?
उत्तर : बलराम चुगलखोर है |

10. बलराम रंग कैसा था ?
उत्तर : बलराम का रंग गोरा था |

11. जसुमति किसे कहा गया है ?
उत्तर : जसुमति यशोदा माता को कहा गया है |

* दो अंकवाले प्रश्नोत्तर *

1. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता ?
उत्तर : बलराम कृष्ण को हमेशा यह कहकर चिढाता था कि यशोदा ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है, तुम्हें मोल लिया गया है | क्यों कि तुम काले हो और नंद – यशोदा गोरे है | इसलिए कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाता |

2. बलराम कृष्ण के माता पिता के बारे में क्या कहता है ?
उत्तर : बलराम कृष्ण के माता पिता के बारे में कहता है कि नंद अर यशोदा गोरे है, तुम काले हो | तुम्हें खरीद लिया गया है |

3. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ?
उत्तर : यशोदा यह कहकर समझाती है कि बलराम बचपन से ही चुगलखोर है | मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूं कि तुम ही मेरे पुत्र हो, मैं ही तुम्हारी माता हूं | इससे कृष्ण का क्रोध शांत होता है |

4. सूरदास ने पद में कौनसा चित्रण किया है ?
उत्तर : सूरदास ने कृष्ण के भोलेपन और यशोदा के वात्सल्य का मार्मिक चित्रण किया है |

5. सूरदास की प्रमुख रचनाएं कौनसी है ?
उत्तर : सूर सागर, सुर सरावली एवं साहित्यलहरी आदी |

6. सूरदास पद का भावार्थ लिखिए |

उत्तर :

भावार्थ : प्रस्तुत पंक्तियों में भाई बलराम के प्रति कृष्ण की शिकायत का मोहक वर्णन किया गया है | कृष्ण अपनी मां यशोदा सॆ शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढाता है | वह मुखसे कहता है कि तुम्हें यशोदा मां ने जन्म नहीं दिया है बल्की मोल लिया है \ इसी गुस्से के कारण उसके साथ मैं खेलने नहीं जाता | वह मुखसे बार – बार पूछता है कि तुम्हारें माता – पिता कौन है ? वह यह भी कहता है की नंद और यशोदा तो गोरे हैं, लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों काला है ? उसकी ऐसी हंसी – मजाक सुनकर मेरे सब ग्वाल मित्र चुटकी बजा – बजाकर हंसते हैं | उन्हें लराम ने ही ऐसा करना सिखाया है | मां, तुमने केवल मुझे ही मारना सीखा है और भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती | कृष्ण के क्रोधयुत मुख को देखकर और उकी बातों को सुनकर यशॊदा खुश हो जाती है | वह कहती है – हे कृष्ण ! सुनो | बलराम जन्म से ही चुगलखोर है | मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूं, मैं ही तेरी माता हूं और तुम मेरे पुत्र हो |

इस पद में सूरदास ने बालकृष्ण के भोलेपन और यशॊदा के वात्सल्य का मार्मिक चित्रण किया है |

*अनुरूपता *

1) बलभद्र :बलराम : : कान्ह : _______________ उ: कृष्ण

2) जसोदा : माता : : नंद : _______________ उ: पिता

3) रीझना : मोहित होना : : खिजाना : ______________ उ: छेडना

4) बलबीर : बलराम : : जसोदा : ___________ उ: यशोदा

* जोडकर लिखना *

1) सूरदास का जन्म – अ) कृष्ण भक्ति शाखा

2) सगुण भक्तिधारा की – आ) सन् 1540 को हुआ

3) उत्तर प्रदेश का रुनकता – इ) सन् 1642 को हुई

4) सूरदास जी की मृत्यु – ई) सूर का जन्मस्थान

उत्तर : 1 – आ, 2 – अ, 3 – ई, 4 – इ

****

15. कर्नाटक संपदा (निबंध)

*एक अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) कर्नाटक की राजधानी कौन-सी है?

उत्तर: बेंगलूरु |

2) कर्नाटक को क्या कहा जाता है?

उत्तर: चंदन का आगर कहा जाता है |

3) कर्नाटक की प्राकृतिक सुष्मा कैसी है ?

उत्तर: कर्नाटक की प्राकृतिक सुष्मा नयन मनोहर है |

4) मैसूर का राजमहल किसका प्रतीक है ?

उत्तर: मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है |

5) पश्चिमी घाट किसे कहते है?

उत्तर: दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते है|

6) श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई कितनी है?

उत्तर: श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई 57 फूट है |

7) किस नगर को सिलिकान सिटी कहा जाता है ?

उत्तर: बेंगलूरु को सिलिकान सिटी कहा जाता है |

8) सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है?

उत्तर: सेंट फिलोमिना चर्च मैसूर नगर में है |

9) अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है ?

उत्तर: अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिमी दिशा में है |

10) कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन-सी पर्वतमालाएँ शोभायमान है?

उत्तर: कर्नाटक की दक्षिण दिशा में नीलगिरी पर्वतमालाएँ शोभायमान है |

* दो अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन-कौन से हैं?

उत्तर: कावेरी, कृष्णा, तुंगभद्रा, भीमा, नेत्रावती आदी नदियाँ हैं | जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदी जलप्रपात हैं |

2) कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है?

उत्तर: कुवेंपु, द.रा.बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ.गोकाक, अनंतमूर्ती, गिरीश कार्नाड, चंद्रशेखर कंबार |

3) बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग है ?

उत्तर: बाँध से हजारो एकड जमीन सींची जाती है और जलाशयों की सहायाता से ऊर्जा उत्पाधान कर सकते है |

5) बेंगलूरु में कौन-कौन से बृहत संस्थाएँ है ?

उत्तर: एच.ए.एल – हिंदूस्थान एरोनाटिकल लिमिटेड |

एच.एम.टी - हिंदुस्थान मशीन टूल्स |

आइ.टी.आइ – इंडियन टेलिफोन इंडसट्रीस |

बी.ई.एल – भारत इलेकट्रानिक्स लिमिटेड |

बी.एच.ई.एल - भारत हेवी इलेकट्रानिक्स लिमिटेड |

* चार अंक वाले प्रश्न *

1) कर्नाटक की प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए |

उत्तर: * कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है |

* पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है |

* दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं |

* इनहीं घाटों को कुच भाग सह्याद्रि कहलाता है |

* दक्षिण में नीलगिरि की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं |

2) कर्नाटक ली शिल्पकला का परिचय दीजिए |

उत्तर: * कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है |

* बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लु की सिल्पकला अद् भुत है |

* बेलूर,हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिर में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं | ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत, पुराणों की कहानियाँ सुनाती हौं |

* श्रवणबेलगोला मेम 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की एकशिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है |

3) कन्नड भाषा तथा संस्कृती को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है?

उत्तर: कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी | वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे | अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है | पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये है | पंपा, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है | कुवेंपु, द.रा.बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ.गोकाक, अनंतमूर्ती, गिरीश कार्नाड, चंद्रशेखर कंबार इन कवियों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है |

* अनुरूपता *

1) दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट : : दक्षिण की पर्वतमालाएँ : _______
उ: नीलगिरी पर्वतमालाएँ

2) कर्नाटक : चंदन का आगार : : बेंगलूरु : ___________ उ: सिलिकान सिटी

3) सी.वी.रामन : नोबेल पुरस्कार : : सर.एम. विश्वेश्वरय्या : _________ उ: भारतरत्न पुरस्कार

4) भद्रावती : लोहे और इस्पात : : मैसूरु : __________ उ: राजमहल

5) कावेरी : नदी : : जोग : ____________ उ: जलप्रपात

6) बेलूर : शिल्पकला : : गोलगुंबज : ___________ उ: वास्तुकला

7) सेंट पिलोमिना : चर्च : : जगनमोहन राजमहल : ____________ उ: आर्ट ग्यालरी

8) कृष्णदेवराय : शासक : : राष्ट्रकूट : ___________ उ: राजवंश

9) बसवण्णा : वचनकार : : कनकदास : ___________ उ: भक्त कवि

10) पंपा : प्राचीन कवि : : कंबार : ___________ उ: आधुनिक कवि

****

16. बाल शक्ति (लघुनाटिका)

– जगतराम आर्य

* एक अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) कौन-कौन कंचे खेल रहे थे?

उत्तर: रामु और शामू कंचे खेल रहे थे |

2) खेल में कौन सदा बेईमानी करता है?

उत्तर: खेल में रामू सदा बेईमानी करता है |

3) रामू को स्कूल जाने केलिए कौन कहता है?

उत्तर: रामू को स्कूल जाने केलिए मोहन कहता है |

4) रामू ने किस विषय का गृह कार्य नहीं किया था?

उत्तर:रामू ने गणित विषय का गृह कार्य नहीं किया था |

5) हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ?

उत्तर: हमें 12 वर्ष तक की उम्र में अच्छी आदतें डालनी है |

6) रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली ?

उत्तर: रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी संजय ने ली |

7) टोली का मुखिया कौन बना ?

उत्तर: टोली का मुखिया मोहन बना |

8) बच्चों की तारीफ किस ने की ?

उत्तर: बच्चों की तारीफ कलक्टर साहब ने की |

* 2-3 अंक वाले प्रश्नोत्तर *

1) रामू में कौन-कौन-सी बुरी आदतें थी ?

उत्तर: रामू में कई सारी नबुरी आदतें यह थीं - वह खेल मे बेईमानी करता था | बेकार में झगडा करता था | गृहकार्य नहीं करता था | इसलिए वह कभी-कभी स्कूल भी नहीं जाता था |

2) गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं ?

उत्तर: * गाँव में कई गड्डे थे, जिन्हे मिट्ठी से ढाँपते है |

* कूडा डालने केलिए निश्चित जगह बनाते है |

* सभी अपने घरों में फलों के पेड लगाते है |

3) कलेक्टर साहब ने बच्चों की बडाई में क्या कहा ?

उत्तर: कलेक्टर सहाब ने गाँव को साफ-सुथरा देखकर बच्चों की बडाई में कहा कि - इन बच्चों की जितनी बडाई की जाए कम है | इन सबने मिलकर गाँ को स्वच्छ वातावरण दिया है| बाल शक्ति के कारण गाँव एक आदर्श गाँब बन गया |

4) पाँच हजार रुपये मिलने पर मोहन क्या सोचता है ?

उत्तर: पाँच हजार रुपये मिलने पर मोहन यह सोचता है कि - इस से स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों केलिए किताबें मँगवाएँ | जिस से गरीब बच्चों को पढाई में सुविधा हो |

* जोडकर लिखना *

1) बेईमानी करनेवाला	-	अ) मोहन
2) टोली का नाम	-	आ) पाँच हजार
3) इनाम के रुपये	-	इ) बुजुर्ग
4) टोली का मुखिया	-	ई) रामू
5) ये गावँ के सपूत हैं	-	उ) बाल-शक्ति

उत्तर: 1 – ई, 2 – उ, 3 – आ, 4 – अ, 5 – इ

****

17. कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती |

*** एक अंकवाले प्रश्नोत्तर ***

1. सोहनलाल द्विवेदी जी का जन्म कब हुआ ?

उत्तर : 23 फरवरी, 1906 में |

2. द्विवेदी जी को किस उपाधी से अलंकृत किया गया ?

उत्तर : राष्ट्रकवि

3. क्या करनेवालों की हार नहीं होती ?

उत्तर : कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती |

4. किससे डरकर नौका पार नहीं होती ?

उत्तर : लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती |

5. किनकी हार नहीं होती ?

उत्तर : कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती |

6. सागर में डुबकियां कौन लगाता है ?

उत्तर : सागर में डुबकियां गोताखोर लगाता है |

7. मन का विश्वास रगों में क्या भरता है ?

उत्तर : मन का विश्वास रगों में साहस भरता है |

8. सफल होने के लिए क्या त्याग देना चाहिए ?

उत्तर : सफल होने के लिए नींद चैन को त्याग देना चाहिए |

9. स्वीकार करो तो असफलता क्या है ?

उत्तर : एक चुनौती है |

10. मैदान छोडकर कौन भागना नहीं चाहिए ?

उत्तर : जीत का लक्ष्य रखनेवाले मैदान छोडकर भागना नहीं चाहिए |

11. कुछ किए बिना ही क्या नहीं होती है ?

उत्तर : जय – जयकार नहीं होती |

* दो अंकवाले प्रश्नोत्तर *

1. चींटी के बारे में कवि क्या कहते है ?

उत्तर : कवि द्विवेदी जी चींटी के बारे में कहते हैं कि नन्हीं चींटी दाना ले जाते समय दीवारों पर चढती और सौ बार पिसलती है | फिर भी मन का विश्वास नहीं छोडती, नहीं डरती, कोशिश करती रहती है | अंत में चींटी दीवार पर चढकर यश पाता है |

2. गोताखोर के बारे में कवि की क्या विचार है ?

उत्तर : गोताखोर सागर में कई बार डूबकर खाली हाथ वापस लौट आता है | सहज पानी में मोती नहीं मिलते हैं | उसके लिए गहरे पानी में जाना पडता है | इससे उसकी उत्साह दुगुना बढता रहता है | अंत में उसकी हाथ खाली नहीं रहती है |

3. इस कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देते हैं ?

उत्तर : असफलता एक चुनौती है, हमें इसे स्वीकार करना चाहिए |

* असफलता कारण जानकर गलतियों को सुधारना चाहिए |
* जब तक हम हमारे काम में सफल नही होते तब तक नींद और चैन को त्याग देना चाहिए |
* संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागना चाहिए |
* हम कुछ किए बिना ही जयकार नहीं होती है |
* इसलिए कोशिश करते रहना चाहिए |

4. इस पद्य भाग को कंठस्थ कीजिए |

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो,
जब तक न सफल हो, नींद, चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम,
कुछ किए बिना ही जय – जयकार नही होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती |

5. इस पद्य की पहली चरण की भावार्थ लिखिए |

उत्तर :

भावार्थ : प्रस्तुत चरण में कवि कहते हैं कि नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढकर सौ बार गिरती है | मन का रगों में साहस भरता है | चढकर गीरना और गिरकर चढने के लिए डरता नहीं है | अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है | क्यों कि कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती |

* अनुरूपता *

1) मेहनत : परिश्रम : : कोशिश : ____________ उ: प्रयत्न

2) चढना : उतरना : : हारना : ____________ उ: जीतना

3) स्वीकार : इनकार : : चैन : ______________ उ: बेचैन

4) सिंधु : समुद्र : : हाथ : ____________ उ: कर/हस्त

* जोडकर लिखिए *

1) लहर	–	अ) डुबकिया
2) चींटी	–	आ चुनौती
3) गोताकोर	–	इ) सुधार
4) असफलता	–	ई) दाना
5) कमी	–	उ) नौका
	–	ऊ) सहज

उत्तर: 1 – उ, 2 – ई, 3 – अ, 4 – आ, 5 – इ

****

पूरक वाचन (4 अंक)

1. शनि सबसे सुंदर ग्रह |

* सौर-मंडल में सबसे बडा ग्रह बृहस्पती है |
* शनि ग्रह का स्थान दूसरा है |
* शनि सूर्य का पुत्र है |
* शनैःचर का अर्थ है " धीमी गती से चलनेवाला " |
* शनि का निर्माण हाईड्रोजन , हीलियम , मीतेन तथा एमोनियम गैसों से बना हुआ है |

2. सत्य की महिमा |

* सत्य ! बहुत भोला-भाला, सीधा-सादा ! अपनी आँखों से जो देखा, बिना नमक-मिर्च लगाए बोला दिया - यही सत्य है |
* महात्मा गांधी जी के अनुसार - " सत्य एक विशाल वृक्ष है | उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते है | उनका अंत नहीं होता | "
* झूठ बोलने से व्यक्तित्व कुंठित होता है | लोगों का विश्वास उठ जाता हौ | उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाता है |
* एक झूठ साबित करने के लिए हजारों झूठ बोलने पडते है | और कहीं पोल खुली, तो मुँह काला करना पटता है, अपमानित होना पडता है |

3. नागरीक के कर्तव्य |

* मीना मेडम ने पंद्रह दिवसीय एक कार्यशिबिर आयोजन किया |
* संभाषण का विषय था - नागरीकों के मूल कर्तव्य |
* नागरीक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चाहिए |
* प्रकृति हमारी माता है | हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय नहीं करना चाहिए |
* समस्त देशवासियो के प्रति भाईचारे का भाव रखना और जाति, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से दूर रहना चाहिए |
* नागरीक कर्तव्यों का पालन करना हमारा दायित्व है | इस से आपका हित तो होगा ही, देश का क्याण भी होगा |

पत्र लेखन (4 अंक)

छुट्टी पत्र

1) प्रेषक का पता और दिनांक – 1/2 अंक

2) पत्र पानेवाले का पता (सेवा में) - 1/2 अंक

3) संबोधन व विषय - 1 अंक

4) पत्र का कलेवर - 1 1/2 अंक

5) समाप्ति (आपका आज्ञाकारी) - 1/2 अंक

प्रश्न : अपनी बहन की शादी में भाग लेने के कारण देते हुए तीन दिन की छुट्टी माँगते हुए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए |

दिनांक : 15-12-2018

प्रेषक,

प्रकाश

10 वी कक्षा

सरकारी प्रौढ शाला

अरकेरा (के) - 585321

सेवा में,

प्रधानाध्यापक

सरकारी प्रौढ शाला

अरकेरा (के) - 585321

आदरणीय महोदय,

विषय : तीन दिन की छुट्टी की प्रार्थना |

ऊपर्युक्त विषय से संबंधित आपसे निवेदन है कि मै आपके स्कूल में 10 वी कक्षा में पढ रहा हूँ | आज से तीन दिन तक मै पाठशाला में उपस्थित नहीं होती | क्यों कि मेरी बहन की शादी में भाग लेने केलिए मैसूर जा रहा हूँ | इसलिए दिनांक : 16-12-2018 से 18-12-2018 तक मुझे छुट्टी देने की कृपा करें |

धन्यवाद के साथ,

आपका आज्ञाकारी छात्र

प्रकाश

I. व्याकरण

1. लिंग

क्र. सं	पुल्लिंग	स्त्री लिंग	क्र.सं	पुल्लिंग	स्त्री लिंग
1	लेखक	लेखिका	2	श्रीमान	श्रीमती
3	मयूर	मयूरी	4	कुत्ता	कुतिया
5	आदमी	औरत	6	हाथी	हाथिनी
7	भैंस	भैंसा	8	शेर	शेरनी
9	मोर	मोरनी	10	भाई	बहन
11	बाप	माँ	12	पुरुष	स्त्री
13	बेटा	बेटी	14	लडका	लडकी
15	बच्चा	बच्ची			

2. वचन

क्र.सं	एक वचन	बहु वचन	क्र.सं	एक वचन	बहु वचन
1	चीज	चीजें	2	रास्ता	रास्ते
3	फल	फल	4	घर	घर
5	रुपया	रुपए	6	आँख	आँखें
7	कर्मचारी	कर्मचारी	8	व्यापारी	व्यापारी
9	रेवडी	रेवडियाँ	10	दुकान	दुकानें
11	उँगली	उँगलियाँ	12	पूँछ	पूँछें
13	खिडकी	खिडकियाँ	14	फूल	फूल
15	पंजा	पंजे	16	लिफाफा	लिफाफे
17	कौआ	कौए	18	गमला	गमले
19	घोंसला	घोंसले	20	बच्चा	बच्चे
21	गली	गलियाँ	22	केला	केले

क्र.सं	एक वचन	बहु वचन	क्र.सं	एक वचन	बहु वचन
23	नौका	नौकाएँ	24	प्रती	प्रतियाँ
25	पुस्तक	पुस्तकें	26	परदा	परदे
27	किताब	किताबें	28	कमरा	कमरे
29	जगह	जगहें	30	दायरा	दायरे
31	कोशिश	कोशिशें	32	पैसा	पैसे
33	खबर	खबरें	34	युग	युग
35	जिंदगी	जिंदगियाँ	36	दोस्त	दोस्त
37	जानकारी	जानकारियाँ	38	कंप्यूटर	कंप्यूटर
39	चिट्ठी	चिट्ठियाँ	40	रिश्तेदार	रिश्तेदार
41	जीवनशैली	जीवनशैलियाँ	42	कपडा	कपडे
43	चादर	चादरें	44	बात	बातें
45	डिब्बा	डिब्बे	46	कहानी	कहानियाँ
47	मछली	मछलियाँ	48	गुफा	गुफाएँ
49	लकडी	लकडियाँ	50	पेड	पेड
51	पट्टी	पट्टियाँ	52	पत्ती	पत्तियाँ
53	लोग	लोग	54	हड्डी	हड्डियाँ
55	बेटा	बेटे	56	नाती	नाती
57	कुत्ता	कुत्ते	58	छुट्टी	छुट्टियाँ
59	बेटी	बेटियाँ	60	पोता	पोते
61	कंपनी	कंपनियाँ	62	नौकरी	नौकरियाँ
63	चट्टान	चट्टानें	64	रस्सी	रस्सियाँ
65	शीशा	शीशे	66	चोटी	चोटियाँ
67	संधी	संधियाँ	68	मूर्ति	मूर्तियाँ
69	उपलब्धि	उपलब्धियाँ	70	कृति	कृतियाँ

71	नीति	नीतियाँ	72	संस्कृति	संस्कृतियाँ
73	पद्धति	पद्धतियाँ			

3. विलोम शब्द

क्र.सं	विलोम शब्द	क्र.सं	विलोम शब्द
1	शाम X सुबह	2	खरीदना X बेचना
3	बहुत X कम	4	अच्छा X बुरा
5	शिक्षित X अशिक्षित	6	आवश्यक X अनावश्यक
7	गरीब X अमीर	8	रात X दिन
9	संदेह X निस्संदेह	10	साफ X गंदा
11	ईमान X बेईमान	12	विश्वास X अविश्वास
13	सहयोग X असहयोग	14	हानि X लाभ
15	पास X दूर	16	गम X खुशी
17	निकट X दूर	18	दिन X रात
19	भीतर X बाहर	20	चढना X उतरना
21	प्रिय X अप्रिय	22	संतोष X असंतोष
23	स्वस्थ X अस्वस्थ	24	बलवान X बलहीन
25	बुद्धिमान X बुद्धिहीन	26	शक्तिमान X शक्तिहीन
27	दयावान X दयाहीन	28	उत्तीर्ण X अनुत्तीर्ण
29	उपयोग X अनुपयोग	30	उपस्थित X अनुपस्थित
31	उचित X अनुचित	32	होश X बेहोश
33	खबर X बेखबर	34	चैन X बेचैन
35	धन X निर्धन	36	जन X निर्जन
37	बल X निर्बल	38	गुण X निर्गुण
39	आज X कल	40	नवीन X प्राचीन
41	समान X असमान	42	ज्ञान X अज्ञान

43	जीत X हार	44	सीमित X असीमित
45	तोड X जोड	46	पीछे X आगे
47	लेना X देना	48	आना X जाना
क्र.सं	विलोम शब्द	क्र.सं	विलोम शब्द
49	शांति X अशांति	50	बढना X घटना
51	स्थिर X अस्थिर	52	मुमकिन X नामुमकिन
53	वरदान X अभिशाप	54	सदुपयोग X दुरुपयोग
55	उपयुक्त X अनुपयुक्त	56	आगमन X निर्गमन
57	जवाब X सवाल	58	सज्जन X दुर्जन
59	बहुत X थोडा	60	मजबूत X कमजोर
61	लंबी X चौडी	62	नीचे X ऊपर
63	मुश्किल X आसान	64	दोस्त X दुश्मन
65	आगे X पीछे	66	काटना X जोडना
67	आरोहण X अवरोहण	68	ठंडा X गरम
69	परिश्रम X आलस्य	70	सामने X आमने
71	सुंदर X कुरूप	72	सजीव X निर्जीव
73	देश X विदेश	74	सदाचार X दुराचार
75	आदि X अंत	76	आयात X निर्यात
77	अपना X पराया	78	आय X व्यय
79	उतार X चढाव	80	उल्टा X सीधा

4. प्रेरणार्थक क्रिया

क्र.सं	मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
1	चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
2	लिखना	लिखाना	लिखवाना
3	मिलना	मिलाना	मिलवाना

4	चलना	चलाना	चलवाना
5	देखना	दिखाना	दिखवाना
6	भेजना	भिजाना	भिजवाना
7	देना	दिलाना	दिलवाना
8	सोना	सुलाना	सुलवाना
9	रोना	रुलाना	रुलवाना
10	धोना	धुलाना	धुलवाना
11	खोलना	खुलाना	खुलवाना
12	पीना	पिलाना	पिलवाना
13	सीना	सिलाना	सिलवाना
14	सीखना	सिखाना	सिखवाना
15	माँगना	मँगाना	मँगवाना
16	बाँटना	बँटाना	बँटवाना
17	माँझना	मँझाना	मँझवाना
18	जाँचना	जँचाना	जँचवाना
19	पढना	पढाना	पढवाना
20	सुनना	सुनाना	सुनवाना
21	करना	कराना	करवाना
22	जगना	जगाना	जगवाना
23	बैठना	बिठाना	बिठवाना
24	ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
25	लौटना	लौटाना	लौटवाना
26	उतरना	उतराना	उतरवाना
27	पहनना	पहनाना	पहनवाना
28	खेलना	खिलाना	खिलवाना

5. मुहावरें

क्र. सं	मुहावरें	अर्थ
1	पौ फटना	प्रभात होना
2	काम आना	काम में आना, इस्तेमाल होना
3	आँखें चुराना	अपने आप छिपाना
4	अक्ल का अंधा	मूर्ख
5	आस्तीन का साँप	कपटी मित्र
6	कान भरना	चुगली करना
7	आँख खुलना	सच्चाई का पता चलना
8	ईद का चाँद होना	बहुत दिनों बाद मिलना
9	कान खडे होना	चकित होना
10	हवा से बातें करना	रफतार तेज करना
11	बात का धनी	वचन का पक्का
12	राहत की साँस लेना	समाधान होना
13	पेट पर लात मारना	उद्योग छीनना
14	टस से मस न होना	अपनी बात पर अटल रहना
15	फूला नहीं समाना	बहुत खुश होना
16	आँच आना	बदनामी से बच जाना
17	अँगूठा दिखा देना	साथ न देना / इनकार कारना
18	हलचल मचाना	शोर करना
19	हाथों के तोते उडाना	आँखों के सामने कोई वस्तु गुम होना

6.संधि

क्र.सं	संधि शब्द	संधि का नाम	क्र.सं	संधि शब्द	संधि का नाम
1	समानाधिकार	दीर्घ संधि	33	अत्यधिक	यण् संधि
2	धर्मात्मा		34	इत्यादि	
3	विद्यार्थी		35	प्रत्युपकार	
4	विद्यालय		36	मन्वंतर	
5	कवींद्र		37	स्वागत	
6	गिरीश		38	पित्रनुमति	
7	महींद्र	दीर्घ संधि	39	पित्राज्ञा	यण् संधि
8	रजनीश		40	पित्रुपदेश	
9	लघूत्तर		41	चयन	अयादि संधि
10	सिंधूर्जा		42	नयन	
11	वधूत्सव		43	गायक	
12	भूर्जा		44	नायिका	
13	पितृण		45	भवन	
14	गजेंद्र	गुण संधि	46	पावन	
15	परमेश्वर		47	नाविक	
16	महेंद्र		48	दिग्गज	व्यंजन संधि
17	रमेश		49	सद् वाणी	
18	वार्षिकोत्सव		50	अजंत	
19	जलोर्मि		51	षड् दर्शन	
20	महोत्सव		52	वाग्जाल	
21	महोर्मि		53	तद्रूप	
22	सप्तर्षि		54	निश्चय	
23	महर्षि		55	निष्कपट	

24	एकैक	वृध्दि संधि वृध्दि संधि	56	नीरस	विसर्ग संधि विसर्ग संधि
25	मतैक्य		57	दुर्गंध	
26	सदैव		58	मनोरथ	
27	महैश्वर्य		59	पुरोहित	
28	परमौज				
29	वनौषध				
30	परमौषध				
31	महौजस्वी				
32	महौषध				

7. समास

क्र. सं	समस्त पद	समास का नाम	क्र.सं	समस्त पद	समास का नाम
1	आजन्म	अव्ययीभाव समास	35	देशवासी	तत्पुरुष समास
2	बेखटके		36	राजसभा	
3	भरपेट		37	जलधारा	
4	यथासंभव		38	राजपुत्र	
5	अनजाने		39	आपबीती	
6	सद् धर्म	मर्मधारय समास	40	कार्यकुशल	
7	पीतांबर		41	दानवीर	
8	नीलकंठ		42	शरणागत	
9	कनकलता		43	नरश्रेष्ठ	
10	चंद्रमुख		44	राहखर्च	
11	मुखचंद्र		45	बंधनमुक्त	
12	करकमल		46	सतसई	द्विगु समास
13	स्वर्गप्राप्त		47	त्रिधारा	

14	ग्रंथकार	तत्पुरुष समास	**48**	पंचवटी	द्विगु समास
15	गगनचुंबी		**49**	त्रिवेणी	
16	चिडियामार		**50**	शताब्दी	
17	परलोकगमन		**51**	चौराहा	
18	अकालपीडित		**52**	बारहमासा	
19	सूरकृत		**53**	सुबह-शाम	द्वंद्व समास
20	शक्तिसंपन्न	तत्पुरुष समास	**54**	सुख-दुख	
21	रेखांकित		**55**	दाल-रोटी	
22	अश्रुपूर्ण		**56**	इधर-उधर	
23	सत्याग्रह		**57**	भला-बुरा	
24	सभाभवन		**58**	दिन-रात	
25	देशभक्ति	तत्पुरुष समास	**59**	सीता-राम	द्वंद्व समास
26	देशप्रेम		**60**	पाप-पुण्य	
27	गुरुदक्षिणा		**61**	दो-चार	
28	धनहीन		**62**	घनश्याम	बहुव्रीहि समास
29	जन्मांध		**63**	श्वेतांबरी	
30	पथभ्रष्ट		**64**	लंबोदर	
31	देशनिकाला		**65**	चक्रपाणि	
32	धर्मविमुख		**66**	त्रिनेत्र (शिव)	
33	प्रेमसागर		**67**	दशानन (रावण)	
34	भूदान		**68**	नीलकंठ (शिव)	

8. कारक

क्र. सं	कारक	कार्य	बिभक्तियाँ	उदाहरण
1	कर्ता कारक	क्रिया को करनेवाला	ने	शाम ने दरवाजा खोला|
2	कर्म कारक	जिस पर क्रिया का प्रभाव पडे	को	लोगों ने चोर को पकडा|
3	करण कारक	जिस साधन से क्रिया हो	से, के साथ, के कारण	मैं ने कुत्ते को लाठी से मारा|
4	संप्रदान कारक	जिस केलिए क्रिया की गई हो	के लिए, को, के वास्ते	मैं पिताजी केलिए कपडा लाया|
5	अपादान कारक	जिस से अलग हो	से (अलगाव सूचक)	पेड से फल गिरा|
6	संबंध कारक	क्रिया के अतिरिक्त अन्य पदों से संबंध बनानेवाला	का, के, की	यह राम की पुस्तक है|
7	अधिकरण कारक	क्रिया करने का स्थान अथवा आधार	में, पर	शेर वन में पाया जाता है|
8	संबोधन कारक	जिस संज्ञा को पुकारा जाए	अरे, हे,ओ, हो, वाह	अरे! इदर आओ |

9. विराम चिह्न

क्र. सं	विराम चिह्न का नाम	चिह्न
1	अल्पविराम (ಅಲ್ಪ ವಿರಾಮ)	,
2	अर्ध विराम (ಅರ್ಧ ವಿರಾಮ)	;
3	पूर्ण विराम (ಪೂರ್ಣ ವಿರಾಮ)	।
4	प्रश्नवाचक (ಪ್ರಶ್ನಾರ್ಥಕ)	?
5	विस्मयादिबोधक (ಭಾವಸೂಚಕ)	!
6	योजक (ಜೋಡಣೆ)	-
7	उद्धरण (ಉದ್ಧರಣ)	" " / ' '
8	कोष्ठक (ಆವರಣ)	( )
9	विवरण (ವಿವರಣೆ)	: / :-

** बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर **

1) ' किताब ' शब्द का अन्य वचन रूप है -

अ) किताबें आ) किताबे इ) किताब ई) किताबों

2) ' वरदान ' शब्द का विलोम शब्द है -

अ) अनुकूल आ) अभिशाप इ) हानी ई) उपयुक्त

3) 'आदमी ' शब्द का स्त्री लिंग रूप है -

अ) स्त्री आ) महिला इ) औरत ई) नारी

4) भैंस ____ दोस्तों को पंजर दिखाया | इस वाक्य में उपयुक्त कारक होगा -

अ) ने आ) को इ) से ई) केलिए

5) "ब्रीफकेस में क्या था " इस वाक्य केलिए सही विराम चिह्न है -

अ) प्रश्न वाचक आ) पूर्ण विराम इ) अल्प विराम ई) अर्ध विराम

6) इन में प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया शब्द है -

अ) चढना आ) लिखना इ) सीखना ई) पढाना

7) निम्न में से द्वंद्व समास का उदाहरण है -

अ) राजमहल आ) भरपेट इ) सुख – दुख ई) सतसई

8) 'महेंद्र ' शब्द इस संधि का उदाहरण है –

अ) दीर्घ संधि आ) गुण संधि इ) यण संधि ई) अयादी संधि

9) ' चीज ' शब्द का अन्य वचन रूप है -

अ) चीजें आ) चिजे इ) चीज ई) चीजों

10) ' गरीब ' शब्द का विलोम शब्द है -

अ) नगरीब आ) अमीर इ) जमीर ई) अगरीब

11) ' लेखक ' शब्द का स्त्री लिंग रूप है -

अ) कवि आ) लेखकी इ) लेखिका ई) कवयत्री

12) भैंस ने दोस्तों ___ पंजर दिखाया | इस वाक्य में उपयुक्त कारक होगा -

अ) केलिए आ) ने इ) से ई) को

13) "यह गाय है " इस वाक्य केलिए सही विराम चिह्न है -

अ) पूर्ण विराम आ) प्रश्न वाच इ) अल्प विराम ई) अर्ध विराम

14) ' पढना " शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक रूप है -

अ) चढना आ) पढाना इ) सीखना ई) लिखना

15) निम्न में से द्विगु समास का उदाहरण है -

अ) राजमहल आ) भरपेट इ) पंचवटी ई) सतसई

16) ' महींद्र ' शब्द इस संधि का उदाहरण है –

अ) अयादी संधि आ) गुण संधि इ) यण संधि ई) दीर्घ संधि

17. 'अक्ल का अंधा ' इस मुहावरे का अर्थ है -

अ) बुद्धिमान आ) गरीब इ) मूर्ख ई) अमीर

18. पेड <u>से</u> फल गिरा | इस वाक्य में निहित कारक है -

अ) कर्ता कारक   आ) अपादान कारक   इ) कर्म कारक   ई) संबंध कारक

19. ' इत्यादि ' शब्द इस संधि का उदाहरण है -

अ) दीर्घ संधि   आ) गुण संधि   इ) यण संधि   ई) वृद्धि संधि

20. ' रोना ' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक रूप है –

अ) रोना   आ) रोलाना   इ) रुलवाना   ई) रुलाना

निबंध लेखन

1. इंटरनेट क्रांति

प्रस्तावना

इंटरनेट दुनियां के कई सारे नेटवर्कों का एक संग्रह है, इसका इस्तेमाल कर हम लोग दुनिया के किसी भी कोने में मौजूद कोई भी जानकारी बहुत ही आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। दूरसंचार लाइन और मौड्यूलेट्-डीमौड्यूलेट् के माध्यम से इसकी पहुँच कहीं भी हो सकती है साथ ही ये हमारे कम्प्यूटर में एनालॉग सिग्नल को डीजीटल सिगनल में परिवर्तित कर भेजता है। इंटरनेट की खोज हमारे लिये असंख्य फायदे ले आयी है, हालांकि इसके साथ ही हम इसके नुकसान से भी नहीं बच सकते है। हमारे द्वारा इंटरनेट का कई तरीकों से उपयोग किया जाता है जैसे- ईमेल, संदेश, ऑनलाइन बात करने के लिये, फाइल स्थानांतरण करने के लिये तथा वर्ल्ड वाइड वेब के द्वारा वेब पेजों और दूसरे दस्तावेजों की प्राप्ति करने के लिये आदि।

इंटरनेट

इंटरनेट कनेक्शन से जुड़ते ही हमारी पहुँच वर्ल्ड वाइड वेब तक हो जाती है। वेब पेजों को खोलते ही हम किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते है और अपने उद्देश्य की प्राप्ति कर सकते है। वेब पेजों को खोलने की कोई समय-सीमा नहीं है, हम इसे एक मिनट या एक घंटा या उससे ज्यादा समय के लिये भी खोल सकते है साथ ही अपने मतलब के किसी भी पेज को हम अपने कम्प्यूटर में डाउनलोड भी कर सकते है। इसके द्वारा हम अपने प्रोजेक्ट को बहुत आसानी और कम समय से पूरा कर सकते है।

निष्कर्ष

इंटरनेट हमें कई तरीकों से फायदा पहुँचाता है जैसे ऑनलाइन स्कूल, कॉलेज, या विश्वविद्यालयों में दाखिला दिलाने में, व्यापारिक और बैंकिंग लेन-देन में, शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति में, ड्राइविंग लाइसेंस आवेदन करने में, बिल जमा करने आदि में मदद करता है।

2. पर्यटन का महत्व

विद्यालयों में बच्चों को एड्युकेश्नल टूर ट्रिप पर ले जाया जाता हैं. नियमित शैक्षिक भ्रमण को पाठ्यक्रम का अह हिस्सा माना गया हैं. किसी खुले स्थल पर स्वच्छ वातावरण के शैक्षिक भ्रमण से नयें अनुभव पाते हैं, इन भ्रमणों के माध्यम से बच्चें इतिहास , विज्ञान शिष्टाचार और प्रकृति को व्यक्तिगत रूप से समझ पाते हैं साथ ही समूह में रहने कार्य करने तथा नायक बनने के गुणों का विकास होता हैं. आज के लेख में हम **Essay On Educational Trip In Hindi** में बच्चों के लिए **School Educational Trip** के फायदे यह क्या होता हैं आदि जानेगे.

भ्रमण ज्ञान अर्जन व सीखने का सबसे अच्छा माध्यम हैं. मनोरंजन के साथ सीखने का अवसर स्कूल के शैक्षिक भ्रमण में मिलता हैं. रोजाना की दिनचर्या से कुछ हटकर नयें स्थानों पर घुमने से न सिर्फ ज्ञान वृद्धि करता हैं बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को तन्दुरस्त भी बनाता हैं. इसी के चलते राज्य के अधिकतर शिक्षा संस्थान गर्मियों अथवा सर्दियों की छुट्टियों में बच्चों को इस तरह की शैक्षिक यात्राओं पर ले जाते हैं.

इस साल हमारे विद्यालय की सीनियर क्लास के स्टूडेंट्स को राजस्थान के दर्शनीय स्थलों की सैर पर ले जाया गया. जयपुर उदयपुर व अजमेर हमारे लिए भ्रमण के स्थान चिन्हित किये गये. अगले दिन मैं अपने घर से कुछ पॉकेट मनी, कुछ कपड़ो के साथ तैयार होकर अपने कक्षा साथियो के साथ हमारी स्कूल बस से रवाना हुए.

वैसे तो इंसान जीवन भर कुछ न सीखता रहता हैं. मगर सिखने का स्वर्ण काल तो विद्यार्थी जीवन ही हैं. जीवन के इस पड़ाव में जितना अच्छे तरीके से तो उन्हें सीखने के अवसर दिए जाने चाहिए यात्रा शिक्षा का सबसे अच्छा जरियां हैं जिसका उद्देश्य चरित्र निर्माण होता हैं. यात्रा से बच्चों में अवेयरनेस बढ़ती हैं. चीजे संभालना, टिकट रखना समय पर गाड़ी समय पर पकड़ना अपने दोस्तों के साथ सामजस्य बनाना, अपने आस पास के स्थानों के बारे में जानना सीखेगे.

3. स्वच्छता अभियान :

प्रस्तावना:

स्वच्छता ना केवल हमारे घर सड़क तक के लिए ही जरूरी नहीं होती है।यह देश ओर राष्ट्र की आवश्यकता होती इससे ना केवल हमारा घर आँगन ही स्वच्छ रहेगा पूरा देश ही स्वच्छ रहेगा। इसी को मद्देनजर रखते हुए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वच्छ भारत अभियान जो कि हमारे देश के प्रत्येक गांव और शहर में परामभ की गई है ।जो देश के प्रत्येक गली गांव की प्रत्येक सड़कों से लेकर शौचालय का निर्माण कराना और देश के बुनियादी ढांचे को बदलना ही इस अभियान का उद्देश्य है।

स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की , स्वच्छ भारत अभियान को भारत मिशन और स्वच्छता अभियान भी कहा जाता है ।महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी महात्मा गांधी जी की 145 वी जयंती के अवसर पर इस अभियान की शुरुआत की 2 अक्टूबर 2014 को उन्होंने राजपथ पर जनसमूहों को संबोधित करते हुए राष्ट्रवादीओं से स्वच्छ भारत अभियान में भाग लेने और इसे सफल बनाने को कहा साफ–सफाई के संदर्भ में यह सबसे बड़ा अभियान है।साफ–सफाई को लेकर भारत की छवि को बदलने के लिए श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश को एक मुहिम से जोड़ने के लिए जन आंदोलन बनाकर इसकी शुरुआत की ।

महात्मा गांधी जी का सपना

हमारे पूजनीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता से पहले स्वच्छ रहना और इसके तहत स्वच्छता को उन्होंने ईश्वर भक्ति के बराबर माना स्वच्छता की शिक्षा को उन्होंने सभी को प्रदान करी उनका सपना था कि(स्वच्छ भारत)इसके तहत वह सभी नागरिकों को एक साथ मिलकर देश को साफ रखने के बारे में सोचते थे इसी के तहत जिस आश्रम में वो रहते थे वहां रोजाना सुबह **4:00** बजे उठकर स्वयं सफाई करते थे ।उन्होंने वर्धा आश्रम में अपना स्वम का शौचालय बनवाया था जिसको प्रतिदिन सुबह – शाम साफ भी करते थे ।गांधी जी की यही स्वच्छ भारत अभियान को पूरा करने के लिए श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करी।

****